ASHOKA
SMA - Ashoka Express Publication

अशोका एक्सप्रेस

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक
Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress
E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress
संपादक :- विजय कुमार भारती
प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्ष: 29 ● अंक : 06 ● नई दिल्ली ● 16 से 22 फरवरी 2026 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

सिग्नेचर ग्लोबल का आरएमजेड के साथ उद्यम, वाणिज्यिक परियोजना में होगा 7,500 करोड़ रुपए का निवेश

राहुल ने ट्रेड डील को बताया किसानों के साथ विश्वासघात, पीएम मोदी से पूछे पांच सवाल

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश के किसानों के साथ विश्वासघात करने का बड़ा आरोप लगाया है। इसी के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पांच सवाल पूछे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अमेरिका ट्रेड डील के नाम पर हम भारत के किसानों के साथ विश्वासघात होते हुए देख रहे हैं। राहुल गांधी लगातार अमेरिका के साथ हुई डील पर सवाल उठा रहे हैं। वो हर दिन समझौते से जुड़े कुछ ना कुछ तथ्यों का दावा करते हुए सरकार को घेरने का काम रहे हैं। इसी के साथ केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल भी उठा रहे हैं। अब इस कड़ी में कांग्रेस नेता में एक बार फिर सवाल उठाए हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में पांच सवालों का जिक्र करते हुए लिखा ।

राहुल गांधी ने पूछे पांच सवाल?

*डीजीजी इंपोर्ट करने का वास्तव में क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय मवेशियों को जीएम अमेरिकी मक्का से बने डिस्टिलर्स अनाज खिलाए जाएंगे? क्या इससे हमारे दूध उत्पाद प्रभावी रूप से अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएंगे?

*अगर हम जीएम सोया तेल के आयात की अनुमति देते हैं, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और देशभर के हमारे सोया किसानों का क्या होगा? वे एक और कीमतों का झटका कैसे झेल पाएंगे?

*जब आप अतिरिक्त उत्पाद कहते हैं, तो उसमें क्या-क्या शामिल है? क्या यह समय के साथ दाल और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने के दबाव का संकेत है?

*गैर-व्यापार बाधाएं हटाने का क्या मतलब है? क्या भविष्य में भारत पर जीएम फसलों पर अपने रुख को ढीला करने, खरीद प्रक्रिया को कमजोर करने या स्वक और बोनस को कम करने का दबाव डाला जाएगा?

*एक बार यह दरवाजा खुल गया, तो हर साल इसे और यादा खुलने से हम कैसे रोकेंगे? क्या इसकी रोकथाम होगी या हर बार सौदे में धीरे-धीरे और भी फसलों को मेज पर रख दिया जाएगा?

राहुल गांधी ने अपने पोस्ट के आखिर में लिखा कि किसानों को ये सफाई तो मिलनी ही चाहिए। यह सिर्फ आज की बात नहीं है। ये भविष्य की भी बात है- क्या हम किसी दूसरे देश को भारत की कृषि उद्योग पर लंबे समय की पकड़ बनाने दे रहे हैं।

दिल्ली में जाती ठंड दे जाएगी बारिश! गर्मी के बीच फरवरी में फिर बदलेगा मौसम

नई दिल्ली । देश में मौसम का मिजाज एक बार फिर अचानक से बदलता नजर आ रहा है. दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में फरवरी के बीच में ही गर्मी जैसा एहसास हो रहा है, लेकिन 15 फरवरी के बाद स्थिति के बदलने के आसार नजर आ रहे हैं. मौसम विभाग के अनुसार महाशिवरात्रि के आसपास नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होगा, जिससे बारिश और बादलों की वापसी संभव है. फरवरी का आधा महीना बीतते-बीतते उत्तर भारत में तापमान ने लोगों को चौंका दिया. दिल्ली से लेकर यूपी और बिहार तक तेज धूप और तपन ने मार्च-अप्रैल जैसी गर्मी का अहसास होने लगा है. दोपहर होते-होते चिलचिलाती धूप के कारण लोगों को पसीना आने लगा है और सर्दी तो लगभग गायब सी दिखने लगी है. बीते तीन दिनों से दिल्ली-एनसीआर में लगातार तेज धूप निकल रही थी. दिन के समय तापमान सामान्य से अधिक महसूस होने लगा है और अब तो आलम यह है कि बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है. फरवरी का मौसम अचानक गर्मी में बदलने से लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई है लेकिन इसी बीच एक बार फिर मौसम बदलने के दस्तक दे रहा है. हालांकि अब मौसम ने करवट लेनी शुरू कर दी है. पिछले 24 घंटों में दिल्ली-एनसीआर में हवाओं की गति करीब 17 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई. तेज हवाओं के कारण हल्की ठंड का एहसास लौटा है और धूप का असर कुछ कम हुआ है. हवाओं की वजह से सुबह और शाम के समय मौसम अपेक्षाकृत सुहावना हो गया है. हालांकि तापमान में कोई बड़ी गिरावट दर्ज नहीं की गई है. फिर भी लोगों को तेज धूप से आंशिक राहत जरूर मिली है. मौसम विभाग ने 15 से 20 फरवरी के बीच बदलाव की संभावना जताई है. उत्तर भारत में नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने से मैदानों और पहाड़ों में बारिश हो सकती है. 17 और 18 फरवरी को दिल्ली-एनसीआर में बादल छाने और हल्की बूंदाबांदी के आसार हैं. बादलों की आवाजाही से तापमान में हल्की गिरावट संभव है. हल्की बारिश से प्रदूषण स्तर में भी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है. हालांकि महाशिवरात्रि के दिन मौसम साफ रहने और दिन में धूप खिली रहने का अनुमान है.

यह जय शाह बनाम पाकिस्तान मैच..., पाक के साथ टी20 मैच पर भड़का विपक्ष, मोदी सरकार को सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली । भारत-पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है. कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा और शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने इस मैच को लेकर कड़े बयान दिए हैं. दोनों नेताओं ने अलग-अलग मुद्दों पर पाकिस्तान और मैच के आयोजन को लेकर सवाल उठाए हैं. यह मुकाबला रविवार, 15 फरवरी की शाम को कोलंबो में खेला जाना है.

पाकिस्तान को दुश्मन की तरह देखें - रंधावा

सुखजिंदर सिंह रंधावा ने साफ कहा कि पाकिस्तान भारत का दुश्मन है और उसके साथ वैसा ही व्यवहार होना चाहिए. उन्होंने कहा कि भारत का पाकिस्तान से कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए. रंधावा ने यह भी कहा कि सीमा पर रहने वाले लोग बेहतर जानते हैं कि पाकिस्तान किस तरह भारत के खिलाफ प्रॉक्सी वॉर चला रहा है. उनके मुताबिक ऐसे हालात में खेल संबंधों पर भी सोचने की जरूरत है.

'यह भारत-पाक मैच नहीं'- संजय राउत

वहीं, संजय राउत ने मैच को लेकर अलग आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि भारत-पाक मैचों से बड़े स्तर पर सट्टेबाजी होती है. मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राउत ने कहा, यह भारत-पाकिस्तान मैच नहीं है, यह जय शाह बनाम पाकिस्तान मैच है. देश की जनता यह मैच नहीं चाहती. उन्होंने जय शाह का नाम लेते हुए बयान दिया. जय शाह अभी आईसीसी से जुड़े अहम पद पर हैं. उनके पिता अमित शाह देश के गृह मंत्री हैं. जय शाह की ओर से इस बयान पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है.

ओवैसी ने बीजेपी को घेरा, कहा- एसआईआर के जरिए नागरिकता छीनने की कोशिश कर रही सरकार

हैदराबाद । मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। एआईएमआईएम अध्यक्ष ओवैसी ने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के जरिए नागरिकता अधिकार छीनने की कोशिश हो रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जब भी यह प्रक्रिया शुरू हो, तो अपने नाम सही तरीके से मतदाता सूची में दर्ज कराएं। उन्होंने यह बयान पार्टी के 68वें पुनरुत्थान दिवस कार्यक्रम के दौरान दिया। ओवैसी ने कहा कि बिहार के बाद अब तेलंगाना और महाराष्ट्र में भी मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाएगा। उनके अनुसार यह प्रक्रिया निष्पक्ष तरीके से होनी चाहिए, लेकिन उन्हें आशंका है

कि इसका इस्तेमाल गलत ढंग से किया जा सकता है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव आयोग के जरिए एसआईआर कराकर लोगों के अधिकारों को प्रभावित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि असली मतदाताओं के नाम हटने नहीं चाहिए और जनता को सतर्क रहना होगा। चुनाव अधिकारियों के मुताबिक तेलंगाना में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अप्रैलङ्कमई के दौरान घोषित किया जा सकता है। इस प्रक्रिया में घर-घर सत्यापन और दस्तावेज जांच जैसे कदम शामिल होते हैं। ओवैसी ने कहा कि लोगों को पहले से तैयार रहना चाहिए और जरूरी कागज पूरे रखने चाहिए। उन्होंने दावा किया कि यदि लोग सतर्क नहीं रहे तो कई वैध नाम सूची से बाहर हो सकते हैं। ओवैसी ने अपने भाषण में मेड़ारम जातरा मेले के दौरान एक मुस्लिम बन बेचने वाले विक्रेता के साथ कथित दुर्व्यवहार का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि कुछ यूट्यूबरों ने विक्रेता को परेशान किया और इसे सांप्रदायिक रंग दिया। ओवैसी ने तेलंगाना पुलिस से मांग की कि ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त केस दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी को भी डराने या निशाना बनाने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए और कानून के तहत कार्रवाई जरूरी है।

महादेव सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें, महाशिवरात्रि पर राष्ट्रपति, पीएम मोदी ने दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली । देशभर में भगवान शिव की आराधना और उपासना के पावन पर्व महाशिवरात्रि को श्रद्धा भाव के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। मेरी प्रार्थना है कि महादेव की कृपा हम सभी पर सदा बनी रहे और हमारा देश प्रगति के पथ पर सदैव अग्रसर रहे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने पोस्ट में कहा, सभी देशवासियों को भक्ति, शक्ति और भगवान भोलेनाथ को समर्पित पावन पर्व महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं। काशी से रामेश्वरम् तक, महाशिवरात्रि का यह पावन पर्व भारत की अखंड और शाश्वत आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत प्रतीक है। महादेव और माता पार्वती की कृपा से हम सभी को सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति हो, यही मंगलकामना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, मेरी कामना है कि आदिदेव महादेव सदैव सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। उनके आशीर्वाद से सबका कल्याण हो और हमारा भारतवर्ष समृद्धि के शिखर पर विराजमान हो। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं और देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना है कि उनकी कृपा से विश्व में शांति और सद्भाव की भावना मजबूत हो। भगवान शिव का आशीर्वाद हमारे देश को एकता, सुरक्षा और निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाता रहे। सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का वास हो। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, हर हर महादेव! समस्त देशवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। देवाधिदेव महादेव सभी के जीवन में सुख-समृद्धि प्रदान करें। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी देशवासियों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं और भगवान महादेव से देश की खुशहाली व समृद्धि की प्रार्थना की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, महाशिवरात्रि की सभी श्रद्धालुओं और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

ट्रम्प की ढिठाई, बदले में कुछ नहीं!

यह एक पतंग है.., यह एक चिड़िया है.., यह एक हवाई जहाज है। 'यह क्या है?' यह सवाल अमरीका और भारत की सरकारों के 6 फरवरी, 2026 को जारी किए गए ज्वॉइंट स्टेटमैंट के लिए एकदम सही है। ज्वॉइंट स्टेटमैंट ने अनगिनत अटकलों को हवा दी है, और भारत सरकार के विवरण से बचने के तरीके ने शक के बादल हटाने में मदद नहीं की। चूंकि मिस्टर ट्रम्प पत्ते खोल रहे हैं, इसलिए ज्वॉइंट स्टेटमैंट शायद अमरीका के लिए डश्चचता की बात न हो, लेकिन भारत के लिए है। जारी किया गया ज्वॉइंट स्टेटमैंट धोखे पर आधारित था। भारतीय बातचीत करने वालों ने 2025 में बार-बार दावा किया कि वे एक द्विपक्षीय ट्रेड एग्रीमैंट (बी.टी.ए.) पर बातचीत कर रहे हैं। कॉमर्स मिनिस्टर ने कई बार कहा कि जल्द ही एक बी.टी.ए. हो जाएगा, असल में, उन्होंने 'साल के आखिर' से पहले कहा था। जैसा कि पता चला, ज्वॉइंट स्टेटमैंट कोई बी.टी.ए. नहीं है, यह कोई अंतरिम एग्रीमैंट भी नहीं है, यह एक अंतरिम एग्रीमैंट के लिए एक फ्रेमवर्क है। हमने पहाड़ हिलाया और हमें चूहा मिला। लेन-देन कहां? = ज्वॉइंट स्टेटमैंट जारी होने के बाद, दोनों पक्षों ने दावा किया कि डील रेसिप्रोकल थी। यह दावा पढने वाले की समझ का अपमान है। ज्वॉइंट स्टेटमैंट को सरसरी तौर पर पढने से भी पता चल जाएगा कि यह रेसिप्रोसिटी पर आधारित नहीं है। ज्वॉइंट स्टेटमैंट के टेक्स्ट को ध्यान से देखें (जिसे मैंने नीचे ज्यादातर कॉपी किया है) -जबकि भारत सभी अमरीकी औद्योगिक सामानों और अमरीका के कई तरह के खाने और खेती के प्रोडक्ट्स पर टैरिफ खत्म कर देगा या कम कर देगा, वहीं यूनाइटेड स्टेट्स भारत के ओरिजिनल सामानों पर 18 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा (2 अप्रैल, 2025 को लगाए गए 25 प्रतिशत से कम), जिसमें टैक्सटाइल और कपड़े, चमड़ा और जूते, प्लास्टिक और रबड़, ऑर्गेनिक कैमिकल्स, होम डेकोर, कारीगर प्रोडक्ट्स और कुछ मशीनरी शामिल हैं। अमरीका जैनरिक फार्मास्यूटिकल्स, जैम्स और ज्वयमंड्स, और एयरक्राफ्ट पार्ट्स समेत कई तरह के सामानों पर रेसिप्रोकल टैरिफ तभी हटाएगा जब 'इंटरिम एग्रीमैंट सफलतापूर्वक पूरा हो जाएगा'। 0 प्रतिशत बनाम 18 प्रतिशत में रेसिप्रोसिटी कहां है? -भारत अमरीकी मैडीकल डिवाइस के ट्रेड में लंबे समय से चली आ रही रुकावटों को दूर करने और अमरीकी आई.सी.टी. सामानों के लिए मार्कीट एक्सैस में देरी करने वाले रिस्ट्रिक्टिव इंपोर्ट लाइसैंसिंग प्रोसीजर को खत्म करने पर सहमत है... भारत अमरीकी फूड और एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स के ट्रेड में लंबे समय से चली आ रही नॉन-टैरिफ रुकावटों को दूर करने पर भी सहमत है। यूनाइटेड स्टेट्स पर कोई मिलती-जुलती ऑब्लिगेशन नहीं है। नॉन-टैरिफ रुकावटों के मामले में, ऑब्लिगेशन और नो ऑब्लिगेशन के बीच रेसिप्रोसिटी कहां है?-भारत अगले 5 सालों में 500 बिलियन डॉलर के अमरीकी एनर्जी प्रोडक्ट्स, एयरक्राफ्ट और एयरक्राफ्ट पार्ट्स, कीमती धातुएं, टैक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स और कोकिंग कोल खरीदने का इरादा रखता है। दोनों सरकारें टैक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स में ट्रेड को काफी बढ़ाएंगी - जिसमें ग्राफिक्स प्रोसैसिंग यूनिट्स (जी.पी.यूज) और डाटा सैंटर्स में इस्तेमाल होने वाले दूसरे सामान शामिल हैं। इस पैराग्राफ में बताए गए सभी प्रोडक्ट अमरीकी एक्सपोर्ट सामान हैं, न कि इंडियन सामान, जिन्हें अमरीका खरीदना चाहता है। रेसिप्रोसिटी कहां है? -ज्वॉइंट स्टेटमैंट के साथ एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में, मिस्टर ट्रम्प ने इंडिया द्वारा उठाए गए 'महत्वपूर्ण कदमों' का जिक्र किया - इंडिया का रशियन फैडरेशन से सीधे या इनडायरैक्टली तेल इंपोर्ट करना बंद करने का कमिटमैंट, इंडिया का यह रिप्रैजैंटेशन कि वह यूनाइटेड स्टेट्स के एनर्जी प्रोडक्ट्स खरीदेगा और डिफैंस कोऑपरेशन बढ़ाने के लिए अमरीका के साथ इंडिया का फ्रेमवर्क एग्रीमैंट। इसलिए, मिस्टर ट्रम्प ने 6 अगस्त, 2025 को लगाई गई एडिशनल एड वैलोरम रेट ऑफ ड्यूटी (25 प्रतिशत का पीनल्ल टैरिफ) को खत्म करने का फैसला किया। अमरीका से कुछ भी न लेकर भारत से तीन वादे करवाने में रेसिप्रोसिटी कहां है? खुली धमकी = अगर भारत सीधे या इनडायरैक्टली रशियन फैडरेशन से तेल इंपोर्ट करना फिर से शुरू करता है, तो अमरीकी सरकार और एक्शन लेने पर विचार करेगी, जिसमें शायद भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत का पैनल्टी टैरिफ फिर से लगाना शामिल है। 6 फरवरी, 2026 को तय पूरा फ्रेमवर्क एक मुद्दे पर टिका है- रूसी तेल। अमरीका की धमकी और भारत के झुकने के बीच क्या तालमेल है? 2 अप्रैल, 2025 से पहले, भारतीय सामान पर अमरीकी टैरिफ एम.एन.एफ. दर 3 प्रतिशत पर था। चूंकि भारत के पास बाइलेटरल ट्रेड सरप्लस था, इसलिए मिस्टर ट्रम्प ने अपनी सँदिग्ध एमरजैंसी पावर्स का इस्तेमाल किया और 25 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ लगा दिया, जिसे अब घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। कई देशों पर 'रेसिप्रोकल' टैरिफ की लीगैलिटी अमरीकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के लिए रिजर्व है और इसे असंवैधानिक बताकर रद्द किया जा सकता है। अगर ऐसा हुआ, तो भारत को अमरीकी सुप्रीम कोर्ट का शुक्रिया अदा करना होगा, राष्ट्रपति ट्रम्प का नहीं। नतीजा यह होगा कि दोनों देश पहले जैसी स्थिति में लौट जाएंगे, लेकिन अमरीका भारत से कई रियायतें ले लेगा, लेकिन वह कोई रियायत नहीं देगा। कितना अधिक लेन-देन है! छिपे हुए बोझ - ट्रेड एक्सपर्ट, अजय श्रीवास्तव ने बताया है कि स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ 50 प्रतिशत और ऑटो कम्पोनैंट्स पर 25 प्रतिशत रहेगा, लेकिन अमरीका के औद्योगिक सामान, कई खेती के सामान, लाल ज्वार, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स, ऑटोमोबाइल और हाई-एंड मोटरसाइकिलों पर 'भारत बहुत ज्यादा रियायतें दे रहा है'। पहेली यह है कि भारत 5 साल में 500 बिलियन अमरीकी डॉलर में क्या खरीदेगा? इससे अमरीका के साथ भारत का जो थोड़ा ट्रेड सरप्लस है, वह खत्म हो जाएगा। अमरीका के पास कुछ ही सामान हैं जो भारत की इकोनॉमी को मजबूत करने में मदद करेंगे। हमारे पास शायद कोई चारा न बचे, सिवाय इसके कि हम बड़ी मात्रा में महंगे एयरक्राफ्ट/ मिलिट्री इक्विपमैंट और ज्यादा लैंडेड कॉस्ट पर अमरीकी तेल खरीदें और हमें यह न पता हो कि उनका क्या करें।

सम्पादकीय

चेतना का जागरण

महाशिवरात्रि का पर्व चेतना का उत्सव है। इस शुभ अनुष्ठान से हम अपनी परंपराओं को गहराई से समझने का एक अनूठा अवसर पाते हैं। शिव, जो सृष्टि के मूल में स्थिर चेतना हैं, हमें पंच तत्वों-पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश की पूर्ण समझ की ओर ले जाते हैं। इन तत्वों की 360 डिग्री एकीकृत समझ, यानी हर तत्व के साथ पूरी तरह जुड़ना, हमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक समृद्धि की ओर ले जाती है। शिव को समझना वास्तव में चेतना के सबसे गहन स्वरूप को समझना है। शिव कोई केवल देव या मूर्ति नहीं, बल्कि वे असीम शून्यता हैं, जिनसे सृष्टि जन्म लेती है। वे कालातीत हैं, नाद से परे मौन हैं और रूप से परे निराकार हैं। शिव को 'आदि योगी' कहा जाता है, क्योंकि वे योग की जड़ हैं-वह प्रक्रिया, जो हमें स्वयं से जोड़ती है। उनका अर्धनारीश्वर रूप हमें स्त्री-पुरुष ऊर्जा के संतुलन का प्रतीक देता है और उनका तांडव सृजन, पालन और संहार का अनवरत चक्र दिखाता है। शिवरात्रि पर, इन तत्वों को साधने के लिए आप अपने जीवन में छोटे-छोटे कदम जोड़ सकते हैं। पृथ्वी के लिए ग्राउंडिंग अभ्यास, जल के लिए भावनात्मक प्रवाह, अग्नि के लिए ऊर्जा संतुलन, वायु के लिए प्राणायाम और आकाश के लिए ध्यान। जब हम इन पांचों को एक चक्र में संतुलित करते हैं, तब हम भीतर एक अखंडता पाते हैं।शोर से भरी आज की तेज दुनिया निरंतर तुलना से संचालित है। ऐसे समय में शिव का संदेश हमें एक नई दिशा देता है। शिव हमें सिखाते हैं कि तांडव के बीच भी ध्यान संभव है। शोर के बीच मौन और गति के बीच भी स्थिरता संभव है। यदि पंचतत्व संतुलित हैं तो पृथ्वी हमें 'ग्राउंडेड' रखती है, जल हमें 'कम्पैशनेट' बनाता है, अग्नि 'पर्पजफुल' बनाती है, वायु 'फ्लैक्सिबल' और आकाश हमें 'एक्सपैंसिव' बनाता है। शिव (ज्ञान), शक्ति का संतुलन - न्यूरोसाइंस और क्वांटम फिजिक्स ने दिखाया है कि ध्यान (मैडिटेशन) मस्तिष्क की संरचना को सकारात्मक रूप से बदल सकता है। ध्यान करते समय हम अपने न्यूरल नैटवर्क को पुनर्संरचित करते हैं, जैसे हम आर्टिफिशयल इंटैलीजैंस (ए.आई.) एल्गोरिदम सीखते हैं। ए.आई. डाटा से सीखती है, मनुष्य अनुभव से। ए.आई. पैटर्न पहचानती है, जबकि साधक आत्मचिंतन से अपने भीतर के पैटर्न पहचानता है। यही वह क्षण है जहां 'शिव' का मार्गदर्शन प्रासंगिक हो जाता है। शिव का तीसरा नेत्र ज्ञान का प्रतीक है, वह दृष्टि, जो सतही सूचना से परे सत्य को देखती है। ए.आई. हमें सूचना दे सकती है, पर विवेक नहीं। ए.आई. निर्णय सुझा सकती है, पर मूल्य नहीं। ए.आई. सृजन कर सकती है, पर करुणा नहीं। आज की युवा पीढ़ी अगर ए.आई. से प्रतिस्पर्धा करने की बजाय उसे साधन माने और अपनी चेतना, अंतर-बुद्धि को विकसित करे, तो वही वास्तविक 'शिवत्व' की ओर बढना होगा। भारतीय दर्शन में शिव केवल संहारक नहीं, बल्कि ज्ञान और शक्ति के समन्वय का जीवंत प्रतीक हैं। उनका तीसरा नेत्र विवेक और जागरूकता का संकेत है, जो हमें याद दिलाता है कि सतही सूचना के पार भी एक गहरी दृष्टि होती है।

क्या उचित, क्या अनुचित

पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकंद नरवणे की अप्रकाशित किताब फ़ोर स्टारज़ ऑफ डेसटिनीको लेकर संसद में खूब हंगामा हो रहा है। राहुल गांधी विशेष तौर पर बहुत उत्तेजित हैं। वह किताब पर चर्चा की ज़िद् कर रहे हैं जबकि सत्तापक्ष भी अड़ गया है कि क्योंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई, इसलिए उस पर बहस नहीं हो सकती। राहुल गांधी ने संसद के बाहर 'किताब' की कापी पत्रकारों को दिखा भी दी पर यह बाज़ार में नहीं आई क्योंकि रक्षा मंत्रालय ने इसकी अनुमति नहीं दी, लेकिन इसके कुछ अंश एक पत्रिका में छप चुके हैं और इसका पीडीएफ़ उपलब्ध बताया जाता है। जनरल नरवणे ने इस बात का प्रतिवाद नहीं किया कि उन्होंने यह किताब लिखी है। इस अप्रकाशित किताब का विवादित हिस्सा जून 2020 में लद्दाख के रचिन ला के पास गलवान में भारत और चीन के बीच टकराव से सम्बंधित है। इस टकराव में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे और चीन के 4 सैनिक मारे गए थे। चीन के हताहतों के बारे स्थिति अस्पष्ट है। कई विदेशी एजेंसियों ने बताया है कि 45 चीनी सैनिक मारे गए थे। जनरल नरवणे के अनुसार उन्हें सूचना मिली कि चार चीनी टैंक भारतीय सैनिकों का तरफ़ बढ़ रहे हैं। इन सैनिकों ने कैलाश हाईट्स पर क़ब्ज़ा कर लिया था। तब जनरल ने ऊपर फ़ोन कर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से पूछा कि उन्हें कार्यवाही का क्या आदेश है? जनरल नरवणे के अनुसार, कुछ घंटों के बाद राजनाथ सिंह ने वापस फ़ोन किया। उन्होंने बताया कि वह पीएम से बात कर चुके हैं और यह विशुद्ध सैन्य निर्णय है, जो उचित समझो वह करो। इस पर जनरल नरवणे बताते हैं कि उन्हें 'हॉट पोटैटो' अर्थात् अप्रिय मामला सौंप दिया गया। वह महसूस कर रहे थे कि जैसे सरकार ने उन्हें अकेले छोड़ दिया। उन्हें 'काटब्लांष' अर्थात् कार्यवाही करने का पूर्णाधिकार दे दिया गया। उन्हें ही देखना था कि कार्यवाही के राजनीतिक और आर्थिक परिणाम क्या हो सकते हैं ? इसी को अब राहुल गांधी ने पकड़ लिया है। विशेष तौर पर जो उचित समझो वह करो को राहुल राजनीतिक नेतृत्व की कमजोरी के तौर पर प्रदर्शित कर रहे हैं। उनका आरोप है कि नेतृत्व ने इस टकराव में स्पष्ट निर्देश नहीं दिए। पर,जो उचित समझो वह करो में अनुचित है क्या? पूर्व सेनाध्यक्ष शिकायत तब करते अगर राजनीतिक नेतृत्व उनके हाथ बांध देता कि तुम कुछ नहीं करोगे। यहां तो उल्टा खुला हाथ दिया गया है। एक सैनिक जनरल के लिए तो यह गर्व की बात होनी चाहिए कि राजनीतिक नेतृत्व उनकी क्षमता पर पूरा विश्वास कर रहा है। ज़मीन पर स्थिति के बारे सैनिक नेतृत्व को अधिक पता होता। जब दुश्मन बढ़ रहा है तो जल्द निर्णय लिया जाना चाहिए। वह समय बैठकों का नहीं होता। ऐसे समय में प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री ने सेनाध्यक्ष पर पूरा विश्वास प्रकट कर बिल्कुल उचित किया, अगर राजनीतिक नेतृत्व सैनिक निर्णय लेने लगे तो ग़लत कार्यवाही हो सकती है। हमारे अपने इतिहास में दो प्रमुख उदाहरण है। सितंबर 1965 के भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान पंजाब सैक्टर में भीषण युद्ध चल रहा था। उस वक्त लै. जनरल हरबक्श सिंह जो पश्चिमी कमान के जीओसी-इन-सी थे, को सेनाध्यक्ष जनरल जे.एन. चौधरी का मौखिक आदेश आया कि वह 11 कोर जो लाहौर की तरफ़ बढ़ रही थी, को ब्यास नदी के पीछे वापस बुला लें। इसका अर्थ था कि पंजाब के मांझा क्षेत्र का बड़ा हिस्सा जिसमें अमृतसर शहर भी शामिल था, पाकिस्तान के अधीन जा सकता था। जनरल चौधरी को आशंका थी कि पाकिस्तान की सेना भारतीय सेना को घेर लेगी और बहुत नुक़सान होगा, पर जनरल हरबक्श सिंह ने आदेश मानने से इंकार कर दिया जिसका ब्यौरा उन्होंने अपनी आत्मकथा में भी दिया है। उन्होंने अपने सेनाध्यक्ष से कहा कि या आप लिखित आदेश दीजिए या खुद मोर्चे पर आकर युद्ध का संचालन करें, मैं वापिस नहीं जाऊंगा। अगले ही दिन स्थिति सुधर गई और प्रसिद्ध बैटल ऑफ असल उत्तर में हमारी सेना ने दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए। जनरल हरबक्श सिंह की दृढ़ता ने पंजाब को बचा लिया और देश ऐसी पराजय से बच गया जैसी 1962 में मिली थी। यह स्थानीय कमांडर की हिम्मत, नेतृत्व और सोच का परिणाम था। उनका कारनामा सेना की शौर्य गाथाओं का हिस्सा बन चुका है। युद्ध के बाद कृतज्ञ देश ने उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उनकी कार्यवाही में यह संदेश है कि नाजुक समय में कमांडर को खुद साहसिक निर्णय लेने पड़ते है। कमांडर उपर की तरफ़ देखता नहीं रह सकता, अगर जनरल हरबक्श ऊपर की बात मानते तो ब्यास नदी तक का सारा क्षेत्र, स्वर्ण मंदिर समेत, बिना लड़े हाथ से निकल जाता। उन्होंने वह किया जिसे उन्होंने 'उचित' समझा। इससे विपरीत दूसरी मिसाल 1971 की लड़ाई से है। जनरल सैम मानिकशॉ के अपने कथन के अनुसार, पूर्वी पाकिस्तान की स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन पर बहुत दबाव डाला कि वह तुरंत कार्यवाही करें। इंदिरा गांधी ने साफ़ कहा कि मैं चाहती हूं कि आप पूर्वी पाकिस्तान में दाख़िल हो जाएं। यह अप्रैल 1971 की बात है। मानिकशॉ ने उत्तर दिया कि इसका मतलब युद्ध होगा। इंदिरा गांधी का जवाब था कि अगर युद्ध होता है तो होने दो। मानिकशॉ ने कहा कि हम तैयार नहीं हैं। मानसून शुरू होने वाली है और अगर प्रधानमंत्री आप मुझे यह करने को कहेंगी तो मैं 100त्न गारंटी दे सकता हूं कि हम पराजित हो जाएंगे। मुझे समय चाहिए। इस पर इंदिरा गांधी रुक गईं। सैम मानिकशॉ ने सेना को तैयार किया और दिसम्बर, 1971 में निर्णायक जीत हासिल की। 16 दिसम्बर, 1971 को पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश बन गया। यह भारत के इतिहास का स्वर्णिम क्षण रहेगा। प्रधानमंत्री और सेनाध्यक्ष के बीच यह वार्तालाप कैबिनेट की बैठक में हुआ। इंदिरा गांधी नाराज़ नहीं हुई कि उनकी बात मानी नहीं गई उल्टा जनरल सैम मानिकशॉ को उनके योगदान को देखते हुए जनवरी 1973 में फील्ड मार्शल बना दिया गया। प्रधानमंत्री ने सेनाध्यक्ष की बात मान ली और सेनाध्यक्ष ने अपना वादा पूरा कर दिखाया। दोनों ने उच्च नेतृत्व दिखाया, पर उल्लेखनीय है कि जनरल हरबक्श सिंह की ही तरह जनरल मानिकशॉ ने भी वही किया जिसे उन्होंने उचित समझा। एक ने कार्यवाही न करने का आदेश नहीं माना तो दूसरे ने कार्यवाही करने का आदेश मानने से इंकार कर दिया। द्वितीय विश्वयुद्ध भी ऐसे उदाहरणों से भरा हुआ है जहां स्थानीय कमांडर ने वह किया जिसे उस उचित समझा क्योंकि युद्ध की स्थिति में हर बार आदेश की इंतज़ार नहीं किया जा सकता। आशा है सरकार पर से रोक हटा लेगी। इसके बारे रक्षात्मक होने की ज़रूरत नहीं। वैसे भी एक ज़िम्मेवार उच्च सैनिक अधिकारी के लिखे को रोका क्यों जाए? पर इस विवाद को लेकर संसद में जो कुछ चल रहा है उसे उचित नहीं कहा जा सकता। विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने से नहीं रोका जाना चाहिए। उनका भी एक मसले को लेकर संसद को ठप्प करने का प्रयास सही नहीं है। वह तो धमकी दे रहे थे कि वह 'किताब' की कापी प्रधानमंत्री को सौंपेंगे। इस तमाशे की क्या ज़रूरत है? लोग चाहते हैं कि संसद में उन मुद्दों पर बात हो जो उनको प्रभावित करते हैं पर नेता विपक्ष को तमाशा खड़ा करने का बहुत शौक़ है। सत्ता पक्ष की तरफ़ से निशिकांत दुबे ने 'एडवीना एंड नेहरू' किताब का ज़िक्र कर दिया। प्रभाव मिलता है कि सत्तापक्ष के पास प्रतिभा की कमी है नहीं तो बार-बार नेहरू को उठाने की ज़रूरत नहीं पड़ती। क्या तर्क से जवाब नहीं दिया जा सकता? फिर स्पीकर महोदय ने यह कह कर हैरान परेशान कर दिया कि उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया था कि वह सदन में न आएं। उनके अनुसार, मुझे विश्वसनीय जानकारी मिली कि कांग्रेस पार्टी के कुछ सदस्य प्रधानमंत्री की सीट पर पहुंच सकते थे और एक अप्रत्याशित घटना को अंजाम दे सकते थे। माननीय स्पीकर का यह कथन न केवल दुर्भाग्य पूर्ण है बल्कि अत्यंत चिन्ताजनक भी है। हमारे संसदीय इतिहास में ऐसा मौक़ा पहले कभी नहीं आया। क्या देश की लोकसभा में प्रधानमंत्री से कुछ 'अप्रत्याशित' हो सकता है? एक मंत्री ने कह दिया कि कुछ महिला सांसद प्रधानमंत्री 'को काट सकती थीं'! यह संसद है या जुरासिक पार्क ? अगर प्रधानमंत्री सुरक्षित नहीं तो कौन है? कि प्रधानमंत्री भी उस दिन वापस चले गए और अगले दिन राज्य सभा में अपना भाषण दिया, भी बताता है कि स्पीकर की बात को गंभीरता से लिया गया। स्पीकर को ऐसे सांसदों के नाम सार्वजनिक करने चाहिए जो प्रधानमंत्री पर हमला करना चाहते थे और उनके ख़िलाफ़ एफआईआर दर्ज करवानी चाहिए। उनकी ज़िम्मेदारी है कि वह सब सदस्यों, प्रधानमंत्री समेत, को सुरक्षा दिलवाएं। विपक्ष उनकी बात का प्रतिवाद करता है कि प्रधानमंत्री पर किस तरह के 'हमले' की योजना थी पर कांग्रेस की महिला सांसद प्रधानमंत्री की सीट के पास क्या करने गईं थी? क्या सदन की गरिमा का कुछ ध्यान नहीं रहा? सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच जो टकराव चल रहा है वह हमारे लोकतंत्र को कहां पहुंचा रहा है? यहां तो कुछ भी उचित नज़र नहीं आ रहा।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। Phone : 9810674206

श्री रणकेशवर महादेव मंदिर में नतमस्तक हुए सीएम मान और केजरीवाल, सिसोदिया भी साथ

चंडीगढ़ । महाशिवरात्रि का पर्व है। हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि के पर्व का विशेष स्थान होता है। पंचांग के अनुसार, हर वर्ष फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन देशभर के शिव मंदिरों में भारी भीड़ एकत्रित होती है। पंजाब में भी महाशिवरात्रि का त्योहार बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही शिवालयों में भक्तों का तांता लगा हुआ है। पटियाला, फगवाड़ा, अमृतसर समेत तमाम जिलों में शिव भक्त मंदिरों में पूजा-अर्चना कर रहे हैं। वहीं कई जगहों पर शोभायात्रा निकाली जा रही है। इस खास मौके पर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान आज धूरी पहुंचे हैं। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर धूरी स्थित श्री रणकेशवर महादेव शिव मंदिर में मान और केजरीवाल माथा टेका। इस दौरान उनके साथ दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री व पंजाब आप प्रभारी मनीष सिसोदिया भी थे। तीनों नेताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया और भगवान शिव का आशीर्वाद लिया।

उत्तराखंड में घुसपैठियों के खिलाफ चलेगा अभियानः डीजीपी बोले- थाना स्तर पर जवाबदेही तय; पुलिस और एसटीएफ-एसओजी चलाएगी मुहिम

देहरादून । प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। डीजीपी दीपम सेठ के निर्देश पर पूरे उत्तराखंड में सघन सत्यापन अभियान शुरू किया गया है। अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों, घुसपैठियों, बांग्लादेशी नागरिकों और अन्य संदिग्ध बाहरी व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। थाना स्तर पर विशेष टीमें गठित कर निगरानी और जवाबदेही तय की गई है। डीजीपी ने साफ कहा है कि आम नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और आपराधिक तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा। यह विशेष अभियान प्रदेश के सभी जिलों में सर्किल, थाना और चौकी स्तर पर चलाया जाएगा। जनपदीय पुलिस के साथ एसटीएफ, एसओजी और एलआईयू की टीमें संयुक्त रूप से कार्रवाई करेंगी। मल्टी स्टोरी अपार्टमेंट, किराये के मकान, पीजी, होम-स्टे, होटल, गेस्ट हाउस, आश्रम और धर्मशालाओं में रहने वालों का सत्यापन किया जाएगा। प्रॉपर्टी डीलर और रियल एस्टेट एजेंट्स के माध्यम से कराए गए किरायेदारी अनुबंधों की भी जांच होगी। बिना पुलिस वेरिफिकेशन

किरायेदार रखने या संदिग्धों को आश्रय देने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। होम डिलीवरी सर्विसेज, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से जुड़े डिलीवरी एजेंट, सिक्योरिटी एजेंसी स्टाफ, कैब संचालक और इंडस्ट्रियल एरिया के ठेकेदारों का भी विशेष वेरिफिकेशन होगा। अमेजन, जोमैटो और ब्लिंकिट जैसी ऑनलाइन सर्विसेज से जुड़े कार्मिकों की पहचान और डॉक्यूमेंट्स की जांच प्राथमिकता में रहेगी। संदिग्धों की पहचान के लिए मॉडर्न टेक्नोलॉजी और सेंट्रल डेटाबेस का सहारा लिया जाएगा। नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड (नैटग्रिड), क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स (सीसीटीएनएस) और इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम (आईसीजेएस) के जरिए सूचना मिलान और एनालिसिस किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर अन्य राज्यों और सेंट्रल एजेंसियों से भी कोऑर्डिनेशन किया जाएगा। अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों, विशेष रूप से घुसपैठियों, बांग्लादेशी नागरिकों और वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी ठहरे विदेशी नागरिकों की पहचान कर वैधानिक प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, कोचिंग संस्थान, जिम, स्कूल, विश्वविद्यालय, ट्रांसपोर्ट एजेंसियों और ब्यूटी पार्लर आदि में हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता और उनकी कार्यशील स्थिति की जांच की जाएगी। सुरक्षा कर्मियों का चरित्र सत्यापन और सुरक्षा ब्रीफिंग अनिवार्य की गई है। साथ ही, अकेले रह रहे नागरिकों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन किया जाएगा। उनके घरेलू सहायकों, ड्राइवर और केयर-टेकर का भी सत्यापन अनिवार्य होगा।

थाना स्तर पर विशेष टीमें, आईजी रेंज तक मॉनिटरिंग

हर थाना स्तर पर विशेष फील्ड टीमें गठित की गई हैं। सीओ से लेकर आईजी रेंज स्तर तक नियमित समीक्षा और मॉनिटरिंग की व्यवस्था लागू की गई है। डीजीपी दीपम सेठ ने कहा कि यह व्यापक अभियान महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। पूरे अभियान की मॉनिटरिंग के साथ हर स्तर पर जवाबदेही तय की गई है।

आप विधायक को जान से मारने की धमकी - एमएलए कुलवंत सिद्धू को एक हफ्ते से आ रही कॉल्स, घर के बाहर रेकी

लुधियाना (पंजाब) ।

पंजाब में कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए गैंगस्टरों और आतंकी संगठनों ने अब सत्ताधारी दल के विधायकों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा मामला लुधियाना के आत्मनगर विधानसभा क्षेत्र का है, जहां आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू को प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। शनिवार रात विधायक के घर के बाहर एक संदिग्ध गाड़ी द्वारा रेकी किए जाने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। विधायक कुलवंत सिद्धू ने बताया कि पिछले एक हफ्ते से उनके पास लगातार अंतरराष्ट्रीय नंबरों से कॉल आ रही हैं। शनिवार रात करीब 9 बजे, जब विधायक अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग कर रहे

थे, तभी काले शीशों वाली एक आई-20 कार उनके घर के बाहर आकर रुकी। संदिग्धों ने करीब दो मिनट तक घर की पहचान करने की कोशिश की। जैसे ही विधायक के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, आरोपी गाड़ी भगाकर फरार हो गए। समर्थकों का शक है कि आरोपी या तो हमले की फिराक में थे या फिर ठिकाने की पुष्टि करने आए थे। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। पुलिस आसपास के लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि संदिग्ध कार के नंबर और उसमें सवार लोगों का सुराग लगाया जा सके। विधायक के परिवार के मुताबिक, सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें किसी भी अज्ञात अंतरराष्ट्रीय नंबर को न उठाने की सख्त हिदायत दी है। धमकी मिलने के बावजूद विधायक सिद्धू ने बेबाकी से कहा कि वह ऐसी गीदड़ भभकियों से डरने वाले नहीं हैं। उन पर बाबा दीप सिंह जी का आशीर्वाद है और वह जनता की सेवा के मार्ग से पीछे नहीं हटेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले लुधियाना सेंट्रल के विधायक अशोक पराशर पप्पी को भी इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं, जिसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाते हुए उन्हें बुलेटप्रूफ गाड़ी मुहैया कराई गई है।

लुधियाना में बच्चा चोरी की अफवाह से मचा हड़कंप - महिला बोली- कानूनी रूप से लेने आई थी, पिता बोला- यह मेरी पांचवीं बेटी है

लुधियाना । लुधियाना के थाना डिवीजन नंबर 3 के अंतर्गत आते बाबा थान सिंह चौक पर उस समय भारी हंगामा हो गया जब बच्चा चोरी या खरीद-फरोख्त के शक में स्थानीय निवासियों ने एक संदिग्ध महिला को पकड़ लिया। महिला के पास एक छोटा बच्चा था जो लगातार रो रहा था। जब लोगों ने सख्ती से पूछताछ की तो महिला के बयानों ने सबको चौंका दिया। महिला ने कबूल किया कि उसने बच्चा खरीदा है। पकड़ी गई महिला ने बताया कि वह बच्चा लेने के लिए विशेष रूप से लुधियाना आई थी। उसने आरोप लगाया कि एक नर्स ने इस पूरे सौदे के बीच थी। महिला के मुताबिक नर्स ने उसे भरोसा दिया था कि कानूनी कागजी कार्रवाई (लिख-पढ़) के साथ बच्चा उसे सौंप दिया जाएगा। इसी सिलसिले में वह दोपहर को लुधियाना पहुंची थी लेकिन बच्चे के रोने और महिला की संदिग्ध हरकतों के कारण लोगों ने उसे

घेर लिया और पुलिस को सूचित कर दिया। हंगामे के दौरान बच्चे की असली पिता भी मौके पर पहुंच गए। उसने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि उसकी यह पांचवीं बेटी है। आर्थिक तंगी या अन्य कारणों के चलते उसने एक अन्य महिला से अपनी बेटी किसी को गोद देने की बात कही थी। इसी कड़ी में आज लेनदेन की प्रक्रिया चल रही थी जिसे स्थानीय लोगों ने बच्चा चोरी का मामला समझकर पकड़ लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं को हिरासत में ले लिया। फिलहाल पुलिस इस मामले के तीसरे पक्ष यानी उस नर्स की तलाश कर रही है जिसने इस अवैध सौदे की नींव रखी थी। दोनों महिलाओं को पूछताछ के लिए चौकी में बिठाया गया है। बच्चा फिलहाल सुरक्षित है। हम उस नर्स की तलाश कर रहे हैं जिसने यह सौदा करवाया था। जांच के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक भर्ती के नए नियमों का विरोध शुरू- टीचर्स एसोसिएशन बोला- अनुभवी शिक्षक नजरअंदाज, 2 लाख लोगों का भविष्य बिना सुझाव तय किया

रायपुर । छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती नियम 13 फरवरी 2026 पर कड़ी आपत्ति जताई है। एसोसिएशन का कहना है कि, नए नियमों में विभाग में वर्षों से काम कर रहे अनुभवी शिक्षकों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है। सीधी भर्ती को जरूरत से ज्यादा प्राथमिकता दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री, स्कूल शिक्षा सचिव और लोक शिक्षण संचालनालय को नियमों में संशोधन के लिए सुझाव भेजे गए हैं। एसोसिएशन का कहना है कि लगभग 2 लाख कर्मचारियों से जुड़े नियम लागू करने से पहले न सुझाव लिए गए, न दावा-आपत्ति मंगाई गई। अधिकतर विभागों में अनुभवी कर्मचारियों को पदोन्नति दी जाती है, लेकिन शिक्षा विभाग में सीधी भर्ती को तरजीह दी गई। इससे लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षक पदोन्नति से वंचित हो जाएंगे। 13 फरवरी 2026 को प्रकाशित राजपत्र में एल बी संवर्ग का पदोन्नति कोटा खत्म कर दिया गया है। अब केवल ई और टी संवर्ग से ही पदोन्नति का प्रावधान रखा गया है। इससे LB संवर्ग के शिक्षकों की तत्काल पदोन्नति रुक जाएगी। एसोसिएशन का कहना है कि पहले LB अलग कैडर था, इसलिए नियमित पदोन्नति मिलती थी, लेकिन अब उसे व्यवहारिक रूप से समाप्त कर दिया गया है। दरअसल, प्रधान पाठक, शिक्षक और अन्य पदों पर LB संवर्ग का नाम ही हटा दिया गया। ई और टी संवर्ग की एकीकृत वरिष्ठता सूची बनेगी। इससे LB संवर्ग पीछे चला जाएगा, कई पदों पर सीधी भर्ती का प्रतिशत बढ़ा दिया गया। संगठन का कहना है कि, पूर्व की तरह फीडिंग कैडर सिस्टम लागू किया जाए और प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक, शिक्षक और प्रधान पाठक प्राथमिक शाला के पदों पर श्व/ञ्ञ संवर्ग और श्व/ञ्ञड्डक संवर्ग के लिए 50-50 प्रतिशत पदोन्नति का प्रावधान रखा जाए, ताकि किसी संवर्ग के साथ अन्याय न हो। वर्तमान नियमों में उपसंचालक और जिला शिक्षा अधिकारी के 25 प्रतिशत पदों को सीधी भर्ती से भरने का प्रावधान किया गया है। एसोसिएशन इसे गलत बताते हुए कहता है कि केवल 10 प्रतिशत पद सीधी भर्ती से और शेष 90 प्रतिशत पद पदोन्नति से भरे जाने चाहिए, ताकि अनुभवी अधिकारियों को आगे बढ़ने का मौका मिल सके। नए नियमों में विकासखंड शिक्षा अधिकारी और सहायक संचालक प्रशासन के पदों को भरने की व्यवस्था पर भी संगठन ने आपत्ति जताई है। एसोसिएशन का कहना है कि सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी से 75 प्रतिशत पदोन्नति का प्रावधान व्यवहारिक नहीं है और इसमें बड़े स्तर पर संशोधन किया जाना चाहिए। टीचर्स एसोसिएशन का कहना है कि प्राचार्य पदों पर पदोन्नति के लिए व्याख्याता और प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक शाला के बीच एकीकृत वरिष्ठता सूची बनेगी या रेशियो तय होगा, इसका स्पष्ट उल्लेख नियमों में होना चाहिए। साथ ही विभागीय परीक्षा में बीएड के स्थान पर प्रशिक्षित स्नातकोत्तर योग्यता तय करने और 55 वर्ष की आयु सीमा हटाने की मांग की गई है। नए भर्ती नियमों में पीटीआई (व्यायाम शिक्षक) के साथ भी उपेक्षा की गई है। वर्तमान व्यवस्था में पीटीआई को केवल छात्रावास अधीक्षक (क्रीड़ा परिसर) के पद तक ही पदोन्नति का अवसर दिया गया है, जबकि विद्यालयों में खेल और शारीरिक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उनकी अहम भूमिका है। एसोसिएशन का कहना है कि पीटीआई के लिए सहायक विकासखंड क्रीड़ा अधिकारी के पद पर पदोन्नति का प्रावधान किया जाना चाहिए, साथ ही सभी हायर सेकेंडरी विद्यालयों में व्याख्याता शारीरिक शिक्षा के पद सृजित कर पीटीआई को इस पद पर पदोन्नति का अवसर मिलना चाहिए। इसी तरह उर्दू शिक्षकों के लिए भी पदोन्नति का कोई स्पष्ट चैनल नए नियमों में नहीं रखा गया है। वर्तमान व्यवस्था में उर्दू सहायक शिक्षक और उर्दू शिक्षक वर्षों तक एक ही पद पर कार्यरत रहते हैं। एसोसिएशन की मांग है कि उर्दू शिक्षकों के लिए स्पष्ट पदोन्नति क्रम तय किया जाए। ताकि उर्दू सहायक शिक्षक से उर्दू शिक्षक और उर्दू शिक्षक से उर्दू व्याख्याता के पद तक पदोन्नति का रास्ता खुल सके। इसके अलावा ग्रंथपालों की स्थिति भी चिंताजनक बताई गई है। नए नियमों में हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों में ग्रंथपाल के पद का स्पष्ट प्रावधान नहीं किया गया है। जिससे इस संवर्ग के कर्मचारियों के लिए पदोन्नति की कोई संभावना नहीं बचती।

भूत पिशाच संग निकली भोलेनाथ की बारात- उज्जैन की तर्ज पर पालकी में सवार हुए भगवान; सवा लाख भक्तों ने किए भूतेश्वर नाथ के दर्शन

रायपुर । छत्तीसगढ़ में महाशिवरात्रि पर्व पर हर तरफ उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। दिन भर मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचे। रात तक यह सिलसिला जारी है। भूत पिशाच के साथ भोलेनाथ की बारात निकली। रायपुर में महादेव घाट स्थित हटकेश्वरनाथ महादेव का अर्धनारीश्वर स्वरूप में श्रृंगार किया गया था। दुर्ग में शिवनाथ नदी के तट पर बर्फ की सिल्ली से शिवलिंग बनाई गई थी। राजिम कुंभ कल्प में ब्रह्म मुहूर्त में श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी के पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ के ग्राम कोसमनारा स्थित सत्यनारायण बाबा के दर्शन किए। बिलासपुर, जगदलपुर में भी भक्तीमय माहौल बना रहा। इस दौरान महिलाओं ने भजन कीर्तन किया। राज्य के सबसे प्रसिद्ध गरियाबंद जिले के राजिम में स्थित भूतेश्वर नाथ मंदिर में महाशविरात्रि पर करीब सवा लाख भक्तों ने पहुंचकर दर्शन किया। यहां शिवालय से बाबा भूतेश्वर नाथ की पालकी भी निकली। राजनांदगांव जिले स्थित मां पाताल भैरवी सिद्धपीठ में विशाल आयोजन हुआ। यहां विराजमान दुर्लभ स्फटिक के पातालेश्वर महादेव और पारे के भव्य पारेश्वर ज्योतिर्लिंग का महारुद्राभिषेक किया गया। सरगुजा के देवगढ़ स्थित शिवलिंग की अर्धनारीश्वर के रूप में पूजा अर्चना हुई। धमतरी में उज्जैन की तर्ज पर महाकाल की शाही पालकी निकाली गई।

नरसी मोंजी कॉलेज में 'Insight'26' का भव्य समापन, 10वें संस्करण में 2,000 से अधिक प्रतिभागियों की मौजूदगी

मुंबई।(सक्षम भारत) नरसी मोंजी कॉलेज का वार्षिक बिज़नेस, फाइनेंस और इकोनॉमिक्स फेस्टिवल 'Insight'26' 4 से 6 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें 10वें संस्करण के मौके पर दो हजार से अधिक विद्यार्थियों और पेशेवरों की भागीदारी दर्ज की गई। आयोजकों के अनुसार, इस तीन दिवसीय आयोजन ने अकादमिक सिद्धांतों और उद्योग जगत की वास्तविकताओं के बीच सेतु का काम किया।

फेस्ट प्रतिनिधि ने सच कहूँ संवाददाता को बताया कि इस वर्ष कार्यक्रम को HPCL ने प्रस्तुत किया, जबकि Uni& India पावर्ड-बाय पार्टनर रहा।

उद्घाटन और 15 प्रमुख आयोजन

4 फरवरी को कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पराग अजगांवकर ने फेस्ट का उद्घाटन किया। इसके बाद छात्रों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्सवमय बनाया। आयोजकों के अनुसार, तीन दिनों में कुल 15 क्यूरेटेड इवेंट्स आयोजित किए गए।

Insight बिज़नेस कॉन्क्लेव में उद्योग जगत की हस्तियाँ

5 फरवरी को आयोजित Insight Business Conclave (IBC) में उद्यमिता और कॉरपोरेट रणनीति पर चर्चा हुई।

इसमें पद्मश्री सम्मानित शेफ संजय कपूर, फाइनेंशियल इन्फ्लुएंसर अनमोल शर्मा, तथा जेन-Z स्टार्टअप्स DRNK और The Croffle Guys के संस्थापकों ने अपने अनुभव साझा किए।

फेस्ट प्रतिनिधि ने सच कहूँ को बताया कि इन सत्रों से छात्रों को उद्योग की कार्यप्रणाली समझने का प्रत्यक्ष अवसर मिला।

Global Youth Economic Summit रहा समापन आकर्षण

6 फरवरी को Global Youth Economic Summit (GYES) का आयोजन किया गया, जिसमें Prism& Studios के सह-संस्थापक वत्सल सेठ और साहिल नायर तथा Shark Tank India Season-5 से जुड़ी निवेशक शैली मेहरोत्रा शामिल रहीं। इसके अलावा आयोजित CFO ThinkTank सत्र में LIC के CFO सुनील अग्रवाल, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज़ के CFO संदीप बत्रा और कोटक महिंद्रा बैंक के पूर्व ट्रेज़रर जैमिन भट्ट ने वित्तीय नेतृत्व से जुड़े अनुभव साझा किए।

आयोजकों का दावा–छात्रों और उद्योग के बीच मजबूत सेतु

फेस्ट प्रतिनिधि ने सच कहूँ संवाददाता को बताया कि Insight'26 ने बॉलीवुड से लेकर कॉरपोरेट क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों को एक मंच पर लाकर छात्रों को व्यापक दृष्टिकोण प्रदान किया। आयोजकों के अनुसार, 10वें संस्करण ने न केवल फेस्ट की विरासत को मजबूत किया, बल्कि उभरते व्यापारिक परिदृश्य से छात्र समुदाय के जुड़ाव को भी नई दिशा दी।

तिहरे ज़हर कांड का खुलासा-कुख्यात तांत्रिक गिरफ्तार, कार में ज़हर देकर तीन की हत्या

नई दिल्ली ,(ए.के. चौधरी)

जॉइंट सीपी वेस्टर्न रेंज जतीन नरवाल के नेतृत्व एवं डीसीपी आउटर जिला सचिन शर्मा की निगरानी में बाहरी जिला पुलिस ने एक सनसनीखेज तिहरे हत्याकांड का खुलासा करते हुए कुख्यात स्वयंभू तांत्रिक कमरुद्दीन उर्फ बाबा को गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने कथित रूप से धनवर्षा कराने का लालच देकर तीन लोगों को कार में ज़हर देकर मौत के घाट उतार दिया।

क्या है पूरा मामला

दिनांक 8 फरवरी 2026 को थाना पश्चिम विहार पूर्व में डीडी नंबर 55-ए के तहत पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें सूचना दी गई कि एक सफेद रंग की कार में तीन लोग बेहोश पड़े हैं। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुँची।

कार में–

ड्राइवर सीट पर 76 वर्षीय बुजुर्ग पुरुष,

कार के बाहर 42 वर्षीय पुरुष,

तथा अंदर 40 वर्षीय महिला अचेत अवस्था में पाए गए।

तीनों को संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान

रणधीर (76- निवासी ग्राम बापरोला, दिल्ली

शिव नरेश (42) -प्रॉपर्टी डीलर, निवासी नागली डेयरी, दिल्ली

लक्ष्मी (40) -निवासी जहांगीरपुरी, दिल्ली परिजनों ने आत्महत्या की आशंका से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई, जिसके बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू की।

जांच में क्या सामने आया

कार की तलाशी के दौरान शराब की बोतलें, कोल्ड ड्रिंक, खाली गिलास, मोबाइल फोन, नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए।

तकनीकी जांच एवं कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) के विश्लेषण से पता चला कि मृतक घटना से एक दिन पहले और घटना वाले दिन लोनी (गाजियाबाद) गए थे, जहाँ उनका संपर्क तांत्रिक कमरुद्दीन से हुआ था।

तकनीकी साक्ष्यों से यह भी पुष्टि हुई कि वापसी के समय कार में एक अतिरिक्त व्यक्ति मौजूद था, जिसकी पहचान कमरुद्दीन के रूप में हुई। वह लोनी से कार में बैठा और घटना स्थल के पास उतर गया।

कैसे रची गई साजिश

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि करीब दो महीने पहले लक्ष्मी का परिचय उससे जहांगीरपुरी निवासी सलीम के माध्यम से हुआ था। बाद में लक्ष्मी ने शिव नरेश और रणधीर को भी उससे मिलवाया।

आरोपी ने तीनों को तांत्रिक अनुष्ठान द्वारा धनवर्षा कराने का झांसा दिया और उनसे 2 लाख रुपये नकद, शराब व कोल्ड ड्रिंक मंगवाई।

आरोप है कि आरोपी पहले से ज़हर मिले लड्डू लेकर आया था। कार यात्रा के दौरान उसने तीनों को शराब और कोल्ड ड्रिंक के साथ वही लड्डू खिलाए।

बेहोश होने के बाद वह नकदी लेकर फरार हो गया, जिससे तीनों की मौत हो गई।

आरोपी का आपराधिक इतिहास

कमरुद्दीन उर्फ बाबा एक आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ पहले भी गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं–

एफआईआर संख्या 31/2014, थाना राजा खेड़ा, धौलपुर (राजस्थान)-हत्या सहित गंभीर धाराएँ

एफआईआर संख्या 105/2025, थाना मक्खनपुर, फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश)

आगे की कार्रवाई

थाना पश्चिम विहार पूर्व में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस तकनीकी एवं फॉरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

पुलिस की अपील

दिल्ली पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी स्वयंभू तांत्रिक, बाबाओं या चमत्कार के नाम पर लालच देने वाले व्यक्तियों से सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

दिल्ली में महाशिवरात्रि का उल्लास, कड़ी सुरक्षा के बीच कनॉट प्लेस के प्राचीन शिव मंदिर में उमड़ा जनसैलाब

नई दिल्ली । देशभर में महाशिवरात्रि का पर्व गहरी श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ मनाया जा रहा है. राजधानी दिल्ली में भी सुबह की पहली रोशनी के साथ शिवालयों के बाहर भक्तों की लंबी कतारें दिखाई दीं. 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन शिव मंदिर में तड़के से ही श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा और पूरा वातावरण शिवमय हो गया. महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर परिसर में भक्त जल, दूध और बेलपत्र अर्पित करते नजर आए. शिवलिंग पर अभिषेक के दौरान श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही थी. हर-हर महादेव और बम-बम भोले के उद्घोष से पूरा इलाका भक्तिरस में डूब गया. मंदिर प्रशासन ने इस विशेष पर्व को लेकर व्यापक तैयारियां कीं. बाबा भोलेनाथ के दरबार को रंग-बिरंगे फूलों और आकर्षक सजावट से सुसज्जित किया गया. भारी भीड़ को देखते हुए दिल्ली पुलिस की तैनाती भी सुनिश्चित की गई ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो. सुरक्षा और व्यवस्था के बीच श्रद्धालु शांतिपूर्वक दर्शन कर सकें, इसके लिए विशेष इंतजाम किए गए. महाशिवरात्रि का उत्साह केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहा. युवा, महिलाएं और बच्चे भी बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचे. कई श्रद्धालुओं ने बताया कि इस दिन भगवान शिव के दर्शन और पूजन से जीवन में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है.सुबह-सुबह बड़ी संख्या में युवा श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक करते दिखाई दिए. महिलाओं ने भी पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार और समाज की समृद्धि की प्रार्थना की. कई लोगों ने देश और विश्व में शांति और समृद्धि की कामना की. महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर कनॉट प्लेस का प्राचीन शिव मंदिर आस्था, अनुशासन और उत्सव का अद्भुत संगम बन गया है. जयकारों से गूंजते इस मंदिर में देर रात तक भक्तों के आने का क्रम जारी रहने की संभावना है. राजधानी में यह पर्व श्रद्धा और भक्ति के विराट स्वरूप के रूप में सामने आया है.

बुराड़ी के बिजनेसमैन की हत्या की प्लानिंग कर रहा था कौशल गैंग का शूटर, दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । राजधानी में संगठित अपराध पर बड़ी कार्रवाई करते हुए, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 22 वर्षीय कुलदीप सिंह को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर कौशल चौधरी गिरोह का मुख्य शूटर है। वह बुराड़ी के एक व्यापारी की हत्या करके गिरोह का वर्चस्व स्थापित करने और अपने जबरन वसूली नेटवर्क का विस्तार करने की योजना बना रहा था। विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर, एंटी-गैंगस्टर स्क्वाड (एजीएस) की एक टीम ने द्वारका के सेक्टर-17 के पास जाल बिछाया और आरोपी को उस समय रोका जब वह चोरी की स्कूटी पर सवार था। पुलिस ने बताया कि उसने भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उसे तुरंत काबू कर लिया। तलाशी के दौरान, अधिकारियों ने एक PX-30 स्वचालित पिस्तौल (7.62 मिमी), एक अत्याधुनिक 7.65 मिमी पिस्तौल (भरी हुई अवस्था में) और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए। अपराध शाखा पुलिस स्टेशन में शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांचकर्ताओं ने खुलासा किया कि आरोपी कथित तौर पर पवन शोकीन और गुरदीप उर्फ पा जी सहित विदेश स्थित गिरोह संचालकों के इशारे पर काम कर रहा था, जिन्होंने उसे सुनियोजित हत्या को अंजाम देने का काम सौंपा था। यह कदम कथित तौर पर प्रतिद्वंद्वी गिरोहों को कड़ा संदेश देने और दिल्ली और आसपास के राज्यों में संगठित जबरन वसूली रैकेट को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया था। कुलदीप सिंह इससे पहले 2024 में पंजाब में हुए 5 करोड़ रुपये की जबरन वसूली और गोलीबारी के सनसनीखेज मामले में शामिल था और अगस्त 2025 में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उसने लक्षित व्यक्ति की रेकी की थी और एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफॉर्म के माध्यम से पंजाब और उत्तर प्रदेश में गिरोह के सदस्यों के संपर्क में था। आरोपी द्वारा इस्तेमाल की गई स्कूटी उत्तर प्रदेश के मुरादनगर से चोरी हुई पाई गई। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हाल ही में संगठित अपराध, जबरन वसूली के प्रयासों और सशस्त्र हमलों में हुई वृद्धि के बीच इस गिरफ्तारी को एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है। व्यापक नेटवर्क का पता लगाने और विदेश से सक्रिय अन्य गिरोह सदस्यों को गिरफ्तार करने के लिए आगे की जांच जारी है।

उत्तम नगर में चाकूबाजी- अस्पताल में मृत लाया गया शख्स, गर्दन पर मिले चाकू के घाव; एनजीओ डायरेक्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में आधी रात को एक व्यक्ति को गंभीर हालत में लाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे गर्दन पर चाकू के गहरे घाव के साथ मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम तुरंत अस्पताल पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान 46 वर्षीय हरीश कंडवाल के रूप में हुई है, जो उत्तम नगर, दिल्ली के रहने वाले थे। अस्पताल से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की। प्रारंभिक जांच में पुलिस को कुछ अहम सुराग मिले, जिसके आधार पर उन्होंने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आशिम अली के तौर पर हुई है। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि आशिम अली साई साधना सोशल वेलफेयर फाउंडेशन नामक एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) का डायरेक्टर है। यह एनजीओ उसी के घर से संचालित किया जा रहा था।

जनकपुरी गड्ढा हादसा-25 वर्षीय युवक की मौत, दिहाड़ी मज़दूर की गिरफ्तारी पर उठे सवाल

नई दिल्ली (आकाश शक्य)

जनकपुरी इलाके में सड़क पर बने गहरे गड्ढे में बाइक गिरने से 25 वर्षीय कमल की मौत के मामले में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने गड्ढे के पास तिरपाल में रहने वाले दिहाड़ी मजदूर योगेश को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य जिम्मेदारों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

क्या है मामला

डीसीपी शरद के अनुसार, घटना के समय एक राहगीर ने सड़क किनारे मौजूद गार्ड को सूचना दी कि गड्ढे में एक बाइक गिरी हुई है।

गार्ड ने यह जानकारी पास ही तिरपाल में रहने वाले मजदूर योगेश को दी। इसके बाद योगेश ने फोन कर सब-कॉन्ट्रैक्टर राजेश प्रजापति को घटना की सूचना दी।

आरोप है कि इसके बाद सब-कॉन्ट्रैक्टर ने मजदूर को चुप रहने को कहा और उसे वहाँ से भगा दिया, जबकि वह

स्वयं भी मौके से फरार हो गया। दिल्ली पुलिस ने पहले सब-कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार किया और बाद में उत्तर प्रदेश के इटावा से दिहाड़ी मजदूर योगेश को हिरासत में लिया।

गिरफ्तारी पर सवाल

मजदूर योगेश पर आरोप है कि उसने घटना की सूचना सीधे पुलिस को नहीं दी। लेकिन इस कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि–

यदि पुलिस को सूचना न देने का अपराध है, तो राहगीर और गार्ड पर भी कार्रवाई क्यों नहीं?

जिस गड्ढे में युवक की जान गई, उसके लिए जिम्मेदार बड़े ठेकेदार,

दिल्ली जल बोर्ड के संबंधित अधिकारी,

और सड़क की निगरानी करने वाले विभागों पर अब तक कोई आपराधिक कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि मामले में कमजोर और गरीब मजदूर को बलि का बकरा बनाया जा रहा है, जबकि जिनके पास पैसा और सत्ता है, वे कानून से दूर हैं।

गरीब भुगतेगा सजा?

सूत्रों के अनुसार, सब-कॉन्ट्रैक्टर भी जल्द जमानत पर बाहर आ सकता है, जबकि दिहाड़ी मजदूर योगेश के पास न तो पैसे हैं, न कानूनी सहायता, न ही कोई प्रभावशाली पैरवी।

सवाल यह है कि 25 साल के कमल की मौत की सजा क्या एक गरीब मजदूर भुगतेगा, जबकि लापरवाही से सड़क खोदकर छोड़ देने वाले बड़े जिम्मेदार खुले घूमते रहेंगे?

प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल

यह मामला एक बार फिर दिल्ली की सड़कों की बदहाली और प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है। सोशल मीडिया पर भी लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या कानून सिर्फ गरीबों के लिए है?

शाह ने क्यों राहुल को दी चुनौती? ट्रेड डील को लेकर लगाया गुमराह करने का आरोप, कहा- किसी भी मंच पर कर लें बहस

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में भारत की पहली सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर जमकर प्रहार किया और अमेरिकी व्यापार समझौते (ट्रेड डील) पर देश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी देश को गुमराह कर रहे हैं कि यूरोपीय यूनियन, इंग्लैंड के साथ एफटीए और अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील में पीएम मोदी ने किसानों के हित को नुकसान पहुंचाया है। मैं राहुल गांधी को चैलेंज देना चाहता हूं, कोई भी मंच तय कर लीजिए, भाजपा के युवा मोर्चा का अध्यक्ष आकर बहस कर लेगा कि किसानों का नुकसान किसने किया है।

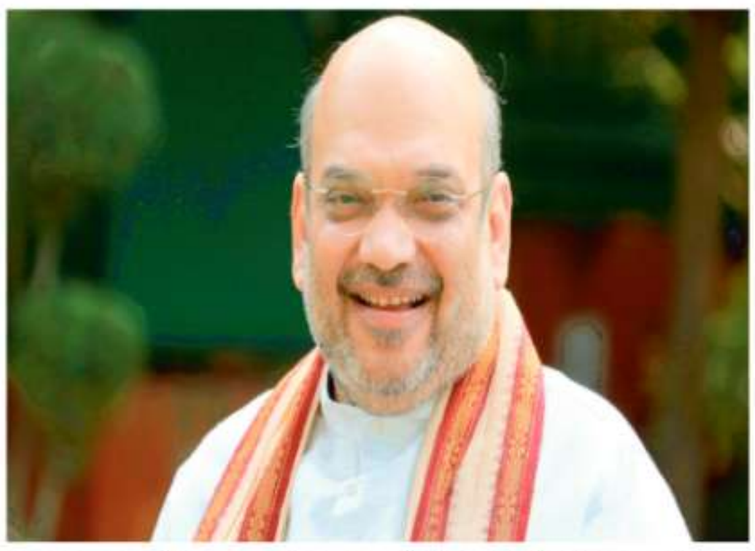

राहुल गांधी झूठ बोलकर गुमराह कर रहे हैं

उन्होंने कहा कि मैं देश के किसानों से कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी झूठ बोल रहे हैं और आपको गुमराह कर रहे हैं। इंग्लैंड और यूरोपीय यूनियन के साथ हुए एफटीए और अमेरिका से हुई ट्रेड डील में पीएम मोदी ने किसानों के हितों की सुरक्षा की है। तीनों समझौतों में डेयरी क्षेत्र को भी पूरी तरह सुरक्षा देने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। इसके माध्यम से हमारे कृषि उत्पाद और मत्स्य उत्पादों को दुनिया के बाजार में पहुंचाने का रास्ता भी खोला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं फिर से एक बार भारत के मछुआरों, पशुपालकों और किसानों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कभी भी आपके हितों के साथ समझौता नहीं किया है, न ही कर सकते हैं, यह असंभव है। यह काम तो मनमोहन सिंह की सरकार ने डंकल प्रस्ताव पर साइन करके किया था। देश की जनता ने 2014 में कांग्रेस को टाटा बाय-बाय कर दिया, पीएम मोदी आए और उस समझौते को बदल दिया। मनमोहन सरकार ने पूरे विश्व के लिए भारत का कृषि बाज़ार खोल दिया था। आज पीएम मोदी किसानों की सुरक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़े हैं।

70 साल में एक बार कर्जमाफी का झुनझुना पकड़ाकर किसानों को गुमराह किया- शाह

उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन्होंने 70 साल में एक बार कर्जमाफी का झुनझुना पकड़ाकर किसानों को गुमराह किया। पीएम मोदी ने 10 साल से 6,000 रुपए प्रति वर्ष देकर किसानों को लोन लेने की नौबत ही न आए, ऐसी व्यवस्था की। कांग्रेस का नेतृत्व हमेशा झूठ बोलकर जनता को गुमराह करता रहा है। कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी संसद में किसानों की बात करते हैं। आपने किसानों का कितना अनाज खरीदा था? 10 साल यूपीए सरकार के और 10 साल मोदी सरकार की तुलना करें तो हमने आपसे 15 गुना अधिक अनाज किसानों का एमएसपी पर खरीदा है।

दिल्ली में यहां हर महीने मिलती हैं 3-4 लाशें- युवक का सिर, दोनों पैर और कलाई से दोनों हाथ कटे मिले, मचा हड़कंप

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के केएन काटजू मार्ग इलाके में स्थित हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से शुक्रवार सुबह एक युवक की सिर कटी लाश मिलने से स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने इस सनसनीखेज घटना के संबंध में हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और मृतक की पहचान के लिए व्यापक प्रयास जारी हैं। रोहिणी जिला के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव रंजन ने बताया कि शुक्रवार, 13 फरवरी को सुबह लगभग 8.46 बजे केएन काटजू मार्ग थाना पुलिस को हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में एक शव पड़े होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पानी से बाहर निकाले गए शव की प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि यह लगभग 30 से 35 साल के एक युवक का है। युवक का सिर, दोनों पैर और कलाई से दोनों हाथ कटे हुए थे। पुलिस को जांच के दौरान युवक के दोनों हाथों पर पुराने कट के निशान भी मिले। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, शव लगभग दो दिन पुराना हो सकता है। घटनास्थल पर क्राइम ब्रांच और फोरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिन्होंने साक्ष्य जुटाए। पुलिस के अनुसार, मृतक का ऊपरी वस्त्र गायब था और उसके पास से कोई भी ऐसा दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। शव को अंबेडकर अस्पताल में सुरक्षित रखवाया गया है, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जाएगी। पुलिस लापता व्यक्तियों से संबंधित जानकारी जुटा रही है ताकि मृतक की शिनाख्त की जा सके। इस संबंध में दिल्ली के सभी थानों के साथ-साथ अन्य राज्यों को भी सूचना भेजी गई है। पुलिस को आशंका है कि हत्यारों ने शव को ठिकाने लगाने के लिए मुनक नहर का इस्तेमाल किया है। हरियाणा के करनाल से निकलने वाली यह 102 किलोमीटर लंबी नहर हैदरपुर प्लांट तक पहुंचती है। जहां लगे जाल में शव फंस जाते हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, हर महीने इस प्लांट के आसपास ऐसे तीन से चार शव मिलते हैं। यदि किसी शव की पहचान नहीं हो पाती है, तो 72 घंटे बाद उसके फोटो और विवरण जिपनेट पर अपलोड कर अंतिम संस्कार कर दिया जाता है। पुलिस इस मामले को एक सुनियोजित हत्या मान रही है और हत्यारों की तलाश में जुटी हुई है। शव की पहचान होने के बाद ही हत्या के कारणों और पीछे की पूरी कहानी का खुलासा होने की उम्मीद है। पुलिस सभी पहलुओं पर गहराई से जांच कर रही है।

सीआईएसएफ में प्रमोशन को लेकर इंस्पेक्टरों ने खोला बड़ा मोर्चा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बढ़ा दबाव

नई दिल्ली । केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सीआईएसएफ में प्रमोशन को लेकर बड़ा असंतोष सामने आया है। 500 से ज्यादा इंस्पेक्टरों ने बल मुख्यालय को याचिका देकर समयबद्ध पदोन्नति और निष्पक्ष कैडर रिव्यू की मांग की है। उनका कहना है कि करियर के 30 से 34 साल में उन्हें सिर्फ एक ही प्रमोशन मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के बाद अब यह मामला और तेज हो गया है और अधिकारी अपने अधिकारों की मांग खुलकर कर रहे हैं। इंस्पेक्टरों ने अपनी याचिकाओं में कहा है कि 2 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी विशेष अनुमति याचिका का निपटारा करते हुए सीआईएसएफ के कैडर रिव्यू को तीन महीने के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है। इसी आदेश के आधार पर अधिकारियों ने निष्पक्ष समीक्षा और प्रमोशन व्यवस्था सुधारने की मांग रखी है। उनका कहना है कि मौजूदा ढांचा उन्हें समय पर आगे बढ़ने का मौका नहीं देता। इससे लंबी सेवा के बावजूद करियर रुक जाता है। सीआईएसएफ में भर्ती सब-इंस्पेक्टर के रूप में होती है। इसके बाद प्रमोशन पाकर इंस्पेक्टर बनाया जाता है। अगला पद सहायक कमांडेंट का है, जो गजेटेड रैंक की शुरुआत है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि असली रुकावट इंस्पेक्टर से सहायक कमांडेंट पद पर प्रमोशन में है। अभी बल में करीब 3,000 इंस्पेक्टर और लगभग 17,000 सब-इंस्पेक्टर हैं। कई अधिकारी तीन दशक से ज्यादा बेदाग सेवा देने के बाद भी सिर्फ एक प्रमोशन लेकर रिटायर हो रहे हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का तीन दिवसीय भारत दौरा: पीएम मोदी से होगी मुलाकात, एआई-इनोवेशन पर होंगे अहम समझौते

नई दिल्ली ।

भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भारत आ रहे हैं।

वह अपनी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों के साथ तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली फ्रांस यात्रा के बाद हो रहा है। मैक्रों का यह दौरा कई मायनों में अहम माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों 16 फरवरी की देर रात करीब 11:30 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। उनके दौरे के आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत 17 फरवरी से होगी। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

मुंबई और दिल्ली में कई कार्यक्रम

17 फरवरी को राष्ट्रपति मैक्रों की मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होगी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई समझौतों का आदान-प्रदान होगा और एक संयुक्त बयान भी जारी किया जाएगा।

शाम को वह होटल ताज महल पैलेस में भारत-फ्रांस इनोवेशन फोरम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद रात में गेटवे ऑफ इंडिया पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। अगले दिन 18 और 19 फरवरी को राष्ट्रपति मैक्रों नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। यहां वह एआई इम्पैक्ट समिट के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। इसके अलावा, वह कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक और वर्किंग लंच में भी हिस्सा लेंगे। 19 फरवरी को दोपहर 3:45 पर वह फ्रांस के लिए रवाना हो जाएंगे।

एआई समिट और इनोवेशन पर जोर

इस दौरे का बड़ा आकर्षण नई दिल्ली में आयोजित हो रहा एआई इम्पैक्ट समिट है। यह ग्लोबल साउथ में होने वाला पहला एआई समिट है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। भारत सरकार का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) देश के विकास, शासन और सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इस दौरे के दौरान दोनों नेता भारत-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन का भी उद्घाटन करेंगे, जिसे 2026 तक मनाया जाएगा। दोनों देशों के बीच होराइजन 2047 रोडमैप के तहत सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा होगी। साथ ही, हिंद-प्रशांत क्षेत्र समेत आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत की जाएगी।

चित्रकला प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साह से लिया भाग

नई दिल्ली , (साहिल गौड़) भारती व समर्पण परिवार के संयुक्त तत्वावधान मे 26वी चि त्रकला प्रतियोगिता का आयोजन नांगलोई के रेलवे स्टेशन रोड के अशोक पार्क मे किया गया, प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि स्थानीय पार्षद के पति व सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र लाडला थे,इस अवसर पर सक्षम भारती के विनोद कालरा,नीरज शर्मा,सुभाष मलिक ,रवि रंजन की उपस्थिति उल्लेखनीय थी, कार्यक्रम की अध्यक्षता नत्थू लाल मोरवाल ने की व संचालन समर्पण के अध्यक्ष राजेन्द्र खर्रा ने किया। चित्रकला प्रतियोगिता में नर्सरी कक्षा से बाहरवी कक्षा के छात्र/छो त्राओ को चार विभिन्न वर्गों में बांट कर (नर्सरी से दुसरी कक्षा, कक्षा तीसरी से पांचवीं तक, छठवीं कक्षा से आठवीं तक,नोंवी कक्षा से बाहरवी कक्षा) आयोजन किया गया, सभी वर्गों के लिए अलग-अलग विषय निर्धारित किए गए हर वर्ग के प्रथम, द्वितिय,

तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को पुरूस्कार व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया

इस अवसर विनोद कालरा ने सम्बोधित करते हुए सक्षम भारती के कौशल कोर्स की जानकारी देते हुए बताया कि हम बच्चों को उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं राजेन्द्र लाडला ने समर्पण परिवार की सहराना करते हुए कहा कि समर्पण परिवार छात्र /छो त्राओ की प्रतिभा को निखारने मे अहम भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर छात्र छो त्राओ का उत्साह देखते योग्य था अनेक प्रतियोगितात्मक ने विभिन्न विषय मे अपनी चित्रकला से कार्यक्रम मे आए लोगो का मन मनमोहन लिया,चित्रकला प्रतियोगियो के विजेताओ का चयन करने मे राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित चित्रकला अध्यापक सुरेन्द्र कुमार व सुमित ने अहम भूमिका निभाई।

कार्यक्रम मे आर्य पब्लिक स्कूल की चित्रकला अध्यापिकाओं का विशेष सहयोग रहा।

समर्पण परिवार के संस्थापक अध्यक्ष राजेन्द्र खर्रा ने प्रतियोगिता मे भाग लेने वाले सभी प्रतियोगियो को धन्यवाद करने हुए विजेताओ को इस प्रकार अपनी प्रतियोगिता को बढाने का आशीर्वाद दिया। प्रतियोगिता को संचालित करने में आकाश माथुर की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर राजेश देहराण, कर्ण बामनिया,प्रवीण बैरवा,तारा चन्द बामनिया,अंजली,अनन्या, काजल,आदित, हिमांशी,करीना सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता का विशेष योगदान रहा थे।

राष्ट्र की प्रगति हमारी संस्कृति के बिना संभव नहीं : हरविन्द्र कल्याण

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने स्वामी दयानंद सरस्वती को नमन करते हुए कहा कि स्वामी जी के विचार हमें विपरीत परिस्थितियों में भी सही राह पर चलने की ऊर्जा प्रदान करते हैं। राष्ट्र की प्रगति हमारी संस्कृति के बिना संभव नहीं है। आर्य समाज जिस प्रकार हमारी अगली पीढ़ी को अपनी जड़ों और गौरवशाली संस्कृति से जोड़ने का प्रयास कर रहा है, वह वास्तव में एक पावन कार्य है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण रविवार को आर्य समाज द्वारा आयोजित महर्षि दयानंद सरस्वती जन्मोत्सव एवं बोधोत्सव कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अपने निजी कोष से सभा को 11 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमारे महापुरुषों ने उस दौर में अपनी संस्कृति, धर्म और देश के लिए संघर्ष किया जब परिस्थितियां अत्यंत विपरीत थीं। गुलामी के लंबे कालखंड के बाद स्वतंत्रता तो मिली, लेकिन आज भी हमारे सामने कई चुनौतियां मौजूद हैं। देश को पुनः उन ऊँचाइयों पर ले जाने की कल्पना हर नागरिक के सहयोग के बिना संभव नहीं है। विकसित राष्ट्र के संकल्प को सिद्ध करने के लिए हमारा आत्मनिर्भर होना अनिवार्य है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में हर नागरिक की भूमिका अहम है। इसके लिए केवल नई टेक्नोलॉजी और आत्मनिर्भरता ही काफी नहीं है, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी का उन संस्कारों से जुड़ना अनिवार्य है, जिनमें स्वयं की उन्नति के साथ समाज की भलाई का भाव भी समाहित होना चाहिए।

दिल्ली के आदिवासियों की अलग से जनगणना की मांग

नई दिल्ली (इंद्रजीत सिंह) क्रांतिवीर बाबा तिलका मांझी जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आयोजन भगवान बिरसा मुंडा भवन में किया गया,कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता सौदानी आदिवासी ने की। मंच संचालन नरेंद्र मरावी द्वारा करते हुए आदिवासी के मुद्दों पर सबका ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर गजेन्द्र सिंह पटेल ने तिलका मांझी को श्रद्धांजलि देते हुए दिल्ली की आदिवासियों के अस्तित्व पर सवाल उठाते हुए कहा कि दिल्ली में विभिन्न राज्यों से आकर बसे आज भी अपनी पहचान के लिए संघर्षे कर रहे हैं दिल्ली में बसे आदिवासियो की अब अलग से जनगणना जरूरी हो गई है जिससे आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की जा सके। डॉ. पवन केरवार ने बाबा तिलका मांझी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके योगदान को प्रेरणादायी बताया। अखिल भारतीय धानका आदिवासी समाज रजि के संयोजक राजेन्द्र खर्रा ने आजादी से पहले बसें आदिवासी आज भी अपनी सरकारी पहचान को तरह रहे हैं, पिछले सरकारों के सौतेले व्यवहार के कारण दिल्ली के आदिवासियों की पिछले 75 वर्षों से अलग से पहचान नहीं की गई। अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के तोता राम दिल्ली में आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों हो रहे कुठाराघात की ओर ध्यान दिलाते हुए उनकी अलग से जनगणना की मांग की।सौदानी आदिवासी ने कार्यक्रम में आए सभी का धन्यवाद करते हुए दिल्ली के आदिवासियों को एकजुट होने की अपील की। कार्यक्रम का आरंभ बाबा तिलका मांझी को श्रद्धांजलि देकर किया, कार्यक्रम में जनजाति सुरक्षा मंच के श्री पी. सूरी,अमिताभ किशोर, सुरेश कुलकर्णी,संजय,दीपक भील सहित बड़ी संख्या आदिवासी समुदाय के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जनजाति सुरक्षा मंच की राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नीतू मेधी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

धनपत सिंह सांगी स्मृति में आगामी 23 से 27 फरवरी तक कुरुक्षेत्र में आयोजित होगा सांग महोत्सव-2026

चंडीगढ़ । पारंपरिक लोकनाट्य विधा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आगामी 23 से 27 फरवरी को कुरुक्षेत्र स्थित हरियाणा कला परिषद के भरतमुनि रंगशाला के सभागार में तीन दिवसीय सांग महोत्सव - 2026 का आयोजन किया जाएगा। हरियाणा के प्रसिद्ध सांगी धनपत सिंह के हरियाणा लोक संस्कृति में अमूल्य योगदान को ध्यान में रखते हुए इस महोत्सव के दौरान धनपत सिंह सांगी पुरस्कार की घोषणा की जाएगी। हरियाणा के सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के महानिदेशक श्री केएम पांडुरंग ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सांग महोत्सव हरियाणा का एक प्रमुख पारंपरिक लोकनाट्य उत्सव है, जो सांगी (कलाकारों) द्वारा संगीत, नृत्य और लोककथाओं के माध्यम से सामाजिक नैतिकता और पौराणिक कहानियों का मंचन करता है। उन्होंने कहा कि इस सांग महोत्सव में प्रस्तुत किए गए नाटक आमतौर पर बुराई पर अच्छाई की जीत पर आधारित होते हैं, जिनमें पौराणिक कथाएं जैसे प्रह्लाद भगत, राजा हरिश्चंद्र, ऐतिहासिक गाथाएं और सामाजिक मुद्दों जैसे महिला सशक्तिकरण को शामिल किया जाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा संस्कृति को जीवंत रखे हुए सांग पार्टियां इस महोत्सव में भाग लेंगी और हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का कार्य करेंगी। महोत्सव तीनों दिन सुबह 10 बजे से सायं के 6 बजे तक आयोजित किया होगा। इस अवसर पर नगाड़ा वादन, लोकगायन और सांग प्रस्तुतियां दी जाएँगी।

22 फरवरी नागपुर में और 22 फरवरी को बुद्धगया बोधगया में महाबोधि महासंग्राम

महाराष्ट्र (अशोका एक्सप्रेस) बामनों के असंवैधानिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ऋस्स प्रमुखों के देखरेख में सरकार शासन प्रशासन के द्वारा 22 फरवरी को बुद्धगया में भी भंते लामा और भतपेलुआ टाइप के लोगों का जमावड़ा किया जा रहा है।

महाबोधि सोसायटी ऑफ इंडिया, बोधगया के जगन्नाथ मंदिर, बोधगया मठ के महंत , अखिल भारतीय भिक्खु संघ बुद्धगया के भंते नहीं चाहते कि विश्व विरासत महाबोधि महाविहार बुद्धगया का नियंत्रण (व्यवस्थापन प्रबंधन) बौद्धों के हाथों में हो। उपर लिखित संस्थाओं का संचालन मनुवादियों के शंकराचार्यों द्वारा किया जाता है।

अखिल भारतीय बौद्ध मंच आल इंडिया बुद्धिस्ट फॉर्म और सभी बौद्ध संगठनों के समन्वय से संचालित अनिश्चितकालीन धरना को हटाने और समाप्त करने को लेकर माघ पूर्णिमा 12 फरवरी 2025 से रोज नये नये षडयंत्र किए गए और मनुवादियों के संगठनों द्वारा संचालित सामनेर भंते द्वारा जनता को भ्रमित करने की साज़िश दिल्ली में 12 फरवरी को राजनीतिक लोगों का जमावड़ा किया जा रहा है।

बामनों के असंवैधानिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ऋस्स प्रमुखों के देखरेख में सरकार शासन प्रशासन के द्वारा 22 फरवरी को बुद्धगया में भी भंते लामा और भतपेलुआ टाइप के लोगों का जमावड़ा किया जा रहा है।

वर्तमान सरकार के शासन प्रशासन में बैठे

हुए लोगों द्वारा महाबोधि महाविहार की मनुवादी पाखंडियों से मुक्ति के लिए बुद्धगया में अनिश्चितकालीन धरना जारी है। माघ पूर्णिमा 12 फरवरी से माघ पूर्णिमा 01 फरवरी 2026 रविवार को एक साल पूरा हो गया है।

अनिश्चितकालीन धरना का संचालन और व्यवस्थापन आल इंडिया बुद्धिस्ट फॉर्म और सभी बौद्ध संगठनों के समन्वय से महासचिव सिरीमान आकाश लामा जी और भंते गणों द्वारा संचालित हो रहा है।

इसको बुद्धगया से हटाने के लिए मनुवादियों ने एड़ी चोटी का जोर लगा रखा है।

2रे बुद्धिस्ट ग्लोबल मीट, नई दिल्ली में शामिल एक भंते ने बताया है कि सरकार बौद्धों के लिए क्या क्या नहीं कर रही है?

अग्निवीर स्कीम के अंतर्गत वर्ष 2027 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया आरंभ

चंडीगढ़। भारतीय सेना में अग्निवीर स्कीम के तहत वर्ष 2027 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। हरियाणा के छह जिलों अम्बाला, कैथल, कुरुक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पंचकूला और केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के पुरुष अभ्यर्थियों तथा दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल एवं चंडीगढ़ की महिला अभ्यार्थियों के लिए पंजीकरण 13 फरवरी, 2026 से 01 अप्रैल, 2026 तक होगा। सभी योग्य अभ्यर्थी वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि यह भर्ती प्रक्रिया पुरुष वर्ग में अग्निवीर (सामान्य कर्तव्य), अग्निवीर (तकनीकी), अग्निवीर (लिपिक/स्टोर कीपर तकनीकी) और अग्निवीर ट्रेड्समैन दसवीं और आठवीं पास तथा महिला वर्ग में महिला मिलिट्री पुलिस के लिए आयोजित की जा रही है।

महाबोधि महाविहार अधिनियम 1949 के खिलाफ तेज हुआ आंदोलन, बौद्ध समाज ने उठाई प्रबंधन अधिकार की मांग

नई दिल्ली।(विजय कुमार भारती) संपूर्ण विश्व के बौद्धों की सर्वोच्च आस्था का केंद्र महाबोधि महाविहार आज भी बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 की विसंगतियों से जूझ रहा है। बौद्ध समाज का कहना है कि उनके सबसे पवित्र तीर्थ स्थल का प्रबंधन अब तक पूर्ण रूप से बौद्धों के हाथों में नहीं होना, एक ऐतिहासिक और संवैधानिक अन्याय है। बौद्ध संगठनों का तर्क है कि भारतीय संविधान प्रत्येक धर्म को अपने धार्मिक संस्थानों के प्रबंधन का अधिकार देता है, ऐसे में केवल बौद्धों को इस अधिकार से वंचित रखना लोकतंत्र और समानता की भावना के खिलाफ है। उनका कहना है कि महाबोधि महाविहार केवल एक ऐतिहासिक स्मारक नहीं, बल्कि बौद्ध धर्म की आत्मा और पहचान का प्रतीक है। देशभर में इस मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन, सभाएं और जनजागरूकता अभियान तेज हो गए हैं। आंदोलनकारी संगठनों का कहना है कि यह संघर्ष अब केवल धार्मिक मांग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। बौद्ध समाज के नेताओं का दावा है कि देशभर में फैला बौद्ध समुदाय आज एक संगठित और प्रभावशाली मतदान शक्ति के रूप में उभर चुका है, जो चुनावी राजनीति को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। उनका स्पष्ट संदेश है कि यदि सरकार और प्रशासन ने इस मांग की अनदेखी जारी रखी, तो इसका असर आने वाले चुनावों में दिखाई देगा। आंदोलनकारियों ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की है कि बोधगया मंदिर अधिनियम 1949 को तत्काल रद्द कर महाबोधि महाविहार का संपूर्ण प्रबंधन बौद्ध समाज को सौंपा जाए। उनका कहना है कि करोड़ों बौद्धों की भावनाओं और अधिकारों की उपेक्षा अब और नहीं की जा सकती। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह आंदोलन इसी तरह व्यापक होता गया, तो यह भविष्य की राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

पूर्व आर्मी चीफ की पुस्तक पर संसद में हंगामा !

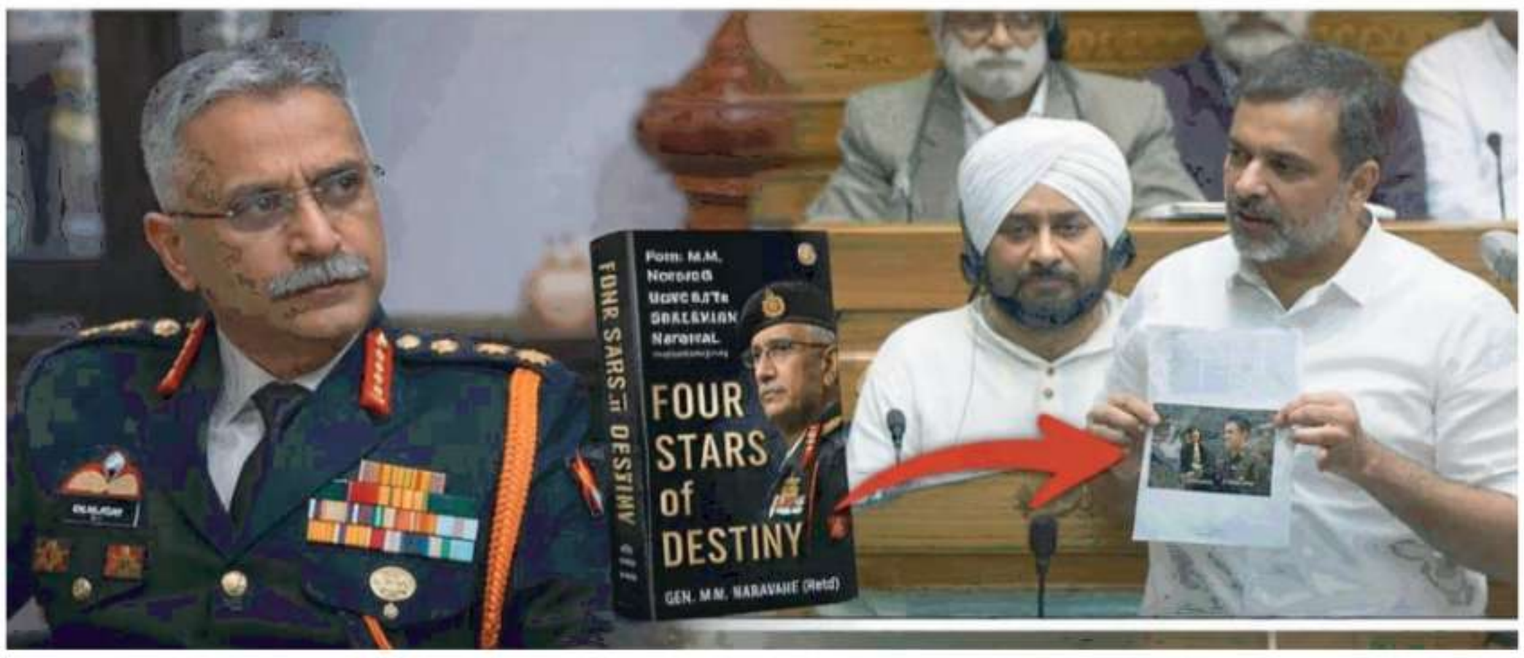

चीन मुद्दे पर गरमाई सियासत पूर्व थल सेना प्रमुख जनरल, नरवणे की हाल ही में प्रकाशित पुस्तक Four Stars of Destiny को लेकर संसद के बजट सत्र में तीखा हंगामा देखने को मिला। पुस्तक में चीन के साथ सीमा विवाद और पूर्वी लद्दाख में वर्ष 2020 के घटनाक्रम से जुड़े उल्लेखों पर विपक्ष ने सरकार को घेरने का प्रयास किया, जबकि सत्ता पक्ष ने आरोपों को राजनीतिक रंग देने की कोशिश बताया। सदन में चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि पुस्तक में चीन के साथ सैन्य तनाव, रणनीतिक निर्णयों और राजनीतिक-सैन्य समन्वय से संबंधित संवेदनशील बिंदुओं का उल्लेख है, जिन पर सरकार को स्पष्टीकरण देना चाहिए। कुछ सदस्यों ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर पारदर्शिता आवश्यक है और यदि पुस्तक में वर्णित तथ्य गंभीर हैं तो उन पर चर्चा होनी चाहिए। वहीं सरकार की ओर से जवाब देते हुए कहा गया कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ देखा जाना चाहिए। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने आरोप लगाया कि पुस्तक के अंशों को संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किया जा रहा है और देश की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर राजनीति करना उचित नहीं है। हंगामे के कारण कुछ समय के लिए सदन की कार्यवाही भी प्रभावित हुई। हालांकि बाद में पीठासीन अधिकारी के हस्तक्षेप के बाद कार्यवाही पुनः शुरू की गई। राजनीतिक हल्कों में इस पुस्तक को लेकर बहस तेज हो गई है और माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गरमा सकता है।

एआरपी संघ के निर्विरोध अध्यक्ष बने राजेंद्र व आशीष महामंत्री

फतेहपुर। जनपद में एआरपी (एकेडमिक रिसोर्स पर्सन) संघ की जिला कार्यकारिणी का चुनाव शनिवार को सौहार्दपूर्ण, अनुशासित और गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पूरी चुनाव प्रक्रिया लोकतांत्रिक परंपराओं और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई, जिसकी जिम्मेदारी चुनाव अधिकारी आनंद प्रताप यादव और चुनाव पर्यवेक्षक महेंद्र कुमार निषाद ने संभाली। संघ की एकजुटता और आपसी विश्वास की मिसाल पेश करते हुए सभी पदों पर निर्विरोध चुनाव हुआ, जिसे उपस्थित सदस्यों ने संगठन की मजबूती का प्रतीक बताया। परिणाम घोषित होते ही नवनियुक्त पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। घोषित कार्यकारिणी के अनुसार राजेन्द्र पटेल को अध्यक्ष, आशीष कुमार को महामंत्री, अनुपम चंद्र श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष तथा संजय सिंह को प्रवक्ता चुना गया। चुनाव अधिकारी ने बताया कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता और पारदर्शिता के मानकों पर पूरी तरह खरी उतरी। नवनियुक्त अध्यक्ष राजेन्द्र पटेल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संघ एआरपी साथियों की समस्याओं के समाधान और जनपद को निपुण बनाने के लक्ष्य के साथ पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगा। उन्होंने संगठन की एकता को सबसे बड़ी ताकत बताया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न ब्लॉकों से पहुंचे एआरपी साथियों ने फूल-मालाओं से स्वागत कर नई टीम के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम के दौरान उत्साह और सहयोग का माहौल देखने को मिला, जिसने संगठन की मजबूती और सामूहिक भावना को और मजबूत किया।

महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत भ्रमणशील रहे डीएम व एसपी

बहराइच। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह तथा जिले के अन्य प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी निरन्तर भ्रमणशील रहका व्यवस्थाओं का जायज़ा लेते रहे। नगर क्षेत्र के भ्रमण के दौरान डीएम व एसपी ने पौराणिक सिद्धनाथ मन्दिर पहुंचकर महामण्डलेश्वर श्री रवि गिरि जी महाराज के नेतृत्व में जलाभिषेक कर विधिवत पूजा अर्चना भी की। इस अवसर पर डीएम व एसपी ने महामण्डलेश्वर गिरि जी महाराज से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी भी प्राप्त की।

'हर-हर महादेव' के जयकारों के बीच शिव भक्तों ने किया जलाभिषेक

मुरादाबाद। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शहर भक्ति में सराबोर नजर आया। तड़के चार बजे से ही शिवालयों के पट खुलते ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। मंदिरों में 'हर-हर महादेव' के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर रुद्राभिषेक कराया और फल, फूल, भांग, धतूरा, बेलपत्र, मावा व गंगाजल अर्पित किया। बाबा कामेश्वर नाथ मंदिर, 84 घंटा मंदिर, नबावपुर झाड़खंडी मंदिर, ऋष्ट मुक्तेश्वर मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर झांझनपुर, अर्धनारीश्वर मंदिर हिमगिरी, शिव शक्ति मंदिर राम गंगा विहार, महाकालेश्वर धाम समेत शहर के सभी प्रमुख शिवालयों में विशेष अनुष्ठान हुए। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहा। शिवालयों में भक्ति, आस्था और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। प्रमुख मंदिरों के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया था और सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही थी। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए मार्गों पर डायवर्जन भी लागू किया गया, ताकि आवागमन में कोई बाधा न आए। महाशिवरात्रि के अवसर पर पूरे मुरादाबाद शहर में धार्मिक उल्लास का माहौल देखा गया। देर रात तक मंदिरों में श्रद्धालुओं का आना जारी रहा। भक्त जय भोले के नारों के साथ भगवान भोलेनाथ की आराधना में लीन रहे।

किसानों को समय से उपलब्ध करायें बीज : डीएम

मुरादाबाद। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों को समय से बीज उपलब्ध करवाएं। फसल बीमा के तहत जिन किसानों ने आवेदन किया उनकी फसलों की क्षति का आंकलन कर लाभान्वित करें। बीमा कंपनी किसानों के भुगतान में लापरवाही न बरतें तथा बैंकों द्वारा किसानों का भुगतान रोके जाने पर एलडीएम को उन बैंकों का चिन्हीकरण कर कार्यवाही भी करें। श्रम विभाग के अधिकारी योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार कराएं। कन्या विवाह सहायता योजना में पात्रों को चिन्हित करके लाभान्वित किया जाए।

पुण्यतिथि पर याद किए गए शहीद महेश यादव

मेजा, प्रयागराज। क्षेत्र के टुंडिहार गांव निवासी भारत के वीर सपूत एवं पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए महेश यादव की सातवीं पुण्यतिथि शनिवार को श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। शहीद महेश यादव स्मारक स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम में उरुवा विकास खंड की खंड विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमांडेंट श्रीनिवास, मेजा क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक संत प्रकाश उपाध्याय तथा मेजा थाना प्रभारी दीनदयाल सिंह सहित अन्य अधिकारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने शहीद के अदम्य साहस, देशभक्ति और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि शहीद महेश यादव का बलिदान देश के लिए अमूल्य है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उन्होंने युवाओं से देशसेवा की भावना को आत्मसात करने और शहीदों के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं और क्षेत्रवासी शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण देशभक्ति के नारों से गूंजता रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

पेंशनर्स ने आठवें वेतन आयोग में सम्मिलित किये जाने पर दिया ज़ोर

मुरादाबाद।

संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उ.प्र. (रजि.) की मण्डलीय बैठक आज चित्रगुप्त इण्टर कॉलेज मुरादाबाद के मीटिंग हाल में सम्पन्न हुई। मीटिंग मे प्रान्तीय नेतृत्व के द्वारा भेजे गये अमृत लाल साहू, प्रदेश मंत्री पी.सी.एस.पेशनर्स एसोसिएशन उ.प्र. व सत्यदेव, अध्यक्ष उ.प्र. प्राथमिक शिक्षक पेंशनर्स संघ के द्वारा भाग लिया गया। मीटिंग की अध्यक्षता सुनील शर्मा मण्डल संयोजक के द्वारा की गयी। साथ ही पी.एस.गिल जनपद संयोजक मुरादाबाद, रोशन लाल रामपुर, महावीर सिंह बिजनौर, नत्थू लाल शर्मा, सम्भल, अमरोहा से प्रतिनिधि श्री हरीओम ने भाग लिया मीटिंग मे पेंशनर्स के हित लाभ को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा आठवें वेतन आयोग में पेंशनर्स का विषय सम्मिलित न किये जाने का प्रबल विरोध किया गया तथा आठवें वेतन आयोग मे पेंशनर्स को सम्मिलित किये जाने की प्रबल मांग की गयी। विशिष्ट अतिथि श्री अमृत लाल साहू ने सदन को सम्बोधित करते हुए भविष्य की रूप रेखा प्रस्तुत की तथा 25 मार्च 2026 को प्रदेश में काला दिवस मनाने का संकल्प

लिया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री सत्यदेव सिंह ने संगठन के उददेश्यों की जानकारी दी संगठन के लिए हर स्तर पर आन्दोलन / संघर्ष करने हेतु प्रेरित किया, साथ ही माननीय सुप्रीम कोर्ट ने डी.एस. नाकारा के जनहित याचिका में 17 दिसम्बर 1982 को संविधान पीठ ने पेंशनर्स के पक्ष मे निर्णय दिया कि पेंशन सरकार की कोई कृपा नहीं है बल्कि सेवानिवृत कर्मी का अधिकार है। जो सेवालकाल का स्थगित वेतन है और लम्बी सेवा के बदले बुढ़ापे मे गरिमामयी जीवन यापन के लिए अनिवार्य है। कार्यक्रम में गजराम सिंह यादव, महेन्द्र सिंह राजपूत, आमोद त्यागी, अतीकुर्रहमान, अहसान, जीवन राणा, रामवीर सिंह, अशोक कुमार राघव, राधेश्याम गुप्ता, एस.सी. अग्रवाल, शालिनी सक्सैना, मनोज कुमार शर्मा, आर.पी.एस. त्यागी, पीएस. त्यागी, अजय कुमार, कुंवर बहादुर सिंह, सर्वेश कुमार शर्मा, बी.डी.सिंह, ओंकार सिंह, विनय वर्मा, विनोद अग्रवाल, राजेन्द्र मोहन शर्मा, अचल भटनागर योगेश कुमार शर्मा, सतीश चन्द्र भटनागर, तेज बहादुर भटनागर, महावी सिंह, शूखीर सिंह, सूरजभान सिंह, रामपाल सिंह अहलावत, उमांशकर शर्मा, रामसेवक सैनी, विजयपाल सिंह भण्डारी, विजय सिंह, अजीत सिंह, अमित कुमार शर्मा, रामगोपाल चौधरी, सत्येन्द्र कुमार शर्मा, परवेन्द्र सिंह, शरद कपूर, मनु शर्मा, जयानन्द सुयाल, पी.पी.शर्मा, योगेश कुमार शर्मा, आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मंदिरों पर सक्रिय रही सिविल डिफेंस की टीम

मुरादाबाद।

महा शिवरात्रि पर्व पर श्री कामेश्वर नाथ 84 घंटे मंदिर किसरौल एवं झारखंडी मंदिर नागफनी मुरादाबाद पर शिव भक्त कांवड़ियों द्वारा भारी संख्या में जलाभिषेक किया गया। कल से ही काफी संख्या में कावंड़िये मुरादाबाद पहुँच चुके थे। प्रातः 3 बजे से ही कांवड़ियों एवं शिव भक्तों के द्वारा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से जलाभिषेक किया।कार्यक्रम को सफल बनाने में नागरिक सुरक्षा सिविल डिफेंस के वार्डन्स सुबह से ही अपनी अपनी जिम्मेदारी से ड्यूटी को अंजाम देते रहे। अपर जिलाधिकारी नगर मुरादाबाद के द्वारा बहुत संख्या में झारखंडी मंदिर एवं श्री कामेश्वर नाथ 84 घंटे मंदिर के चारों ओर एवं शहर के अन्य विभिन्न मंदिरों में वार्डन्स की ड्यूटियां समयबध्द तरीके लगाई गई हैं। नागरिक सुरक्षा कोर के वॉलिंटियर्स पीली ड्रेस में अपना बहुमूल्य सहयोग ड्यूटी के अनुसार देते रहे। इस दौरान प्रभारी डिवीजनल वार्डन अशोक कुमार गुप्ता,स्टाफ अधिकारी वसीम अंसारी, घटना नियंत्रण अधिकारी अशीष चंद्र त्रिवेदी, सुभाष चंद्र जैन, पोस्ट वार्डन रविंद्र कुमार गौतम, सूरज प्रकाश, लक्ष्मण सिंह, निमित जायसवाल, यादवेन्द्र जोशी, सागर सक्सेना, आकाश गुप्ता, सुखदेव यादव, संजय गुप्ता, ब्रजेश कुमार शर्मा, हरज्ञान सिंह, अनिल रस्तोगी, राहुल मिश्रा, दीपिका वर्मा, श्रद्धा कुमारी, नेहा सागर, अहमद फहीम, निहाल रस्तोगी, सागर सक्सेना, पंकज प्रजापति, हिमांशु यादव, अजीमउद्दीन, हर्षित ठाकुर, मोहम्मद दानिश आदि रहे।

मुस्लिम समुदाय में तेज़ी से चल रहीं माहे मुबारक की तैयारियां

रमज़ान को लेकर मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में सजने लगी दुकानें

मुरादाबाद।

मुस्लिम समुदाय में रमज़ानुल मुबारक के पाक महीने की तैयारियां मुरादाबाद में ज़ोरों पर हैं। इस विशेष माह में मुस्लिम समुदाय के लोग अल्लाह की इबादत में लीन रहते हैं और रहमत, मग़फ़िरत तथा जहन्नुम की आग से निजात की दुआएं मांगते हैं।

रमज़ान का महीना तीन अशरों में बंटा होता है, जिनमें से प्रत्येक का अपना विशेष महत्व है। ये अशरे रहमत (अल्लाह की मेहरबानी), मग़फ़िरत (गुनाहों की माफी) और निजात (जहन्नम से छुटकारा) के दौर कहलाते हैं। रमज़ान के शुरुआती दस दिन रहमत के होते हैं। इस दौरान बंदे ज़्यादा से ज़्यादा इबादत, कुरआन की तिलावत और दुआओं में मशगूल रहते हैं। माना जाता है कि इन दिनों में अल्लाह की रहमत बंदों पर खूब बरसती है, जिससे दिलों में सुकून और नूर पैदा होता है। रमज़ान के बीच के दस दिन मग़फ़िरत के लिए समर्पित हैं। इस अशरे में मुसलमान सच्चे दिल से तौबा-इस्तिग़फ़ार करते हैं और नेकियों के ज़रिए अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। यह दौर आत्म-चिंतन और खुद को बेहतर बनाने का संदेश देता है। रमज़ान के आखिरी दस दिन निजात के होते हैं, जिसका अर्थ है जहन्नम से छुटकारा। इसी अशरे में शब-ए-क़द्र की मुबारक रात भी आती है, जिसे हज़ार महीनों से अफ़ज़ल बताया गया है। इन दिनों में लोग ज़्यादा इबादत, एतिकाफ़, दुआ और सदक़ा-खैरात में लगे रहते हैं, ताकि अल्लाह की रज़ा और निजात हासिल हो सके। पवित्र रमज़ान की आमद से पहले ही मुरादाबाद शहर का माहौल बदल गया है। गलियों और बाज़ारों में हलचल तेज़ हो गई है, और मुस्लिम बहुल इलाकों में ख़ास चहल-पहल दिखाई देने लगी है। महानगर से लेकर देहात तक की मस्जिदों में साफ़-सफ़ाई, रंगाई-पुताई और रोशनी की तैयारियां ज़ोर पकड़ चुकी हैं। बाज़ारों में खजला, फेनी, खजूर, शरबत, सूखे मेवे और इफ़्तार से जुड़े अन्य सामान की दुकानें सजने लगी हैं। कपड़ों, टोपी-इत्र और सजावटी लाइटों की ख़रीदारी भी धीरे-धीरे रफ़्तार पकड़ रही है, जो रमज़ान की रौनक को बढ़ा रही है।

खुदा का ख़ौफ़, नबी से हया ज़रूरी है - जाबिर हुसैन सिद्दीक़ी

हजारीबाग़ ।

शनिवार को मोहम्मद नाज़िम शेख़ के आवास लोहसिंगना, हजारीबाग़ में एक शानदार महफ़िल ए ईद मिलादुन्नबी का आयोजन किया गया। जिसमें मोहल्ला लोहसिंगना पगमल हाशमियां कॉलोनी के काफ़ी लोगों ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए खुसूसी मुक़र्रिर प्रसिद्ध इस्लामिक स्कॉलर अल्लामा जाबिर हुसैन सिद्दीक़ी ने फरमाया कि - रमजान शरीफ़ का मुबारक महीना बहुत जल्द ख़ैर-ओ- बरकत लेकर आने वाला है।

पूरी दुनिया के मुसलमान के सरों पर टोपियां आ जाएंगी। मस्जिदें आबाद हो जाएंगी। लोग मज़हबी और दीनदार बन जाएंगे। मगर जरूरी यह है कि सिर्फ रमजान में ही नहीं बल्कि साल के 12 महीने हमको मस्जिदों को आबाद करनी चाहिए। अल्लाह की इबादत, कुरान की तिलावत, नमाज की पाबंदी हमारा कर्तव्य होना चाहिए। सिर्फ रमजान में टोपी लगाना रमजान के बाद टोपी उतार देना। यह खुदा को खुश करने का काम नहीं है। बल्कि यदि आप खुदा को खुश करना चाहते हैं तो हमेशा हम अच्छे काम करें, हमेशा हम अल्लाह की रज़ा के लिए अपना कदम उठाते रहें। मस्जिदें आबाद करते रहें, कुरान की तिलावत करते रहें और अगर हमने अल्लाह को ना दिखा कर समाज को दिखाया, तो इससे कोई फायदा नहीं है। अल्लाह भी आपसे नाराज़ होगा और हमारा हश्र भी अच्छा नहीं होगा।

अल्लाह हम तमाम लोगों को अपने हुक्म पर चलने और अमल करने की तौफीक़ अता फरमाए और अपना खौफ़ हम तमानी लोगों के दिलों में भर दे। ताकि हम उसको राज़ी करने में अपना सारा वक्त गुज़ारें ना के हम अपने समाज को दिखाने के लिए सर पर टोपियां सजाए रखें और नमाज और रोज़ा अदा करते रहें। इससे कोई फ़ायदा नहीं होगा। सभा में महल्ले के बहुत सारे लोगों ने भाग लिया। अंत में अल्लामा जाबिर हुसैन सिद्दीक़ी साहब की दुआओं के बाद महफ़िल समाप्त की गई। सारे लोग अपने-अपने घरों को लौट गए?।

सनातन सेवा ट्रस्ट की ओर से महाशिवरात्रि पर भव्य सेवा, शिव बारात में उमड़ा जनसैलाब

सिरसा।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सिरसा नगर में आस्था, उत्साह और सेवा भाव का अद्भुत संगम देखने को मिला। नगर में भव्य शिव बारात झांकियों के साथ धूमधाम से निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। भगवान शिव, माता पार्वती, श्रीगणेश एवं अन्य देवी-देवताओं की सजीव झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। शिव बारात के दौरान आमिलहवा चौराहा विशेष रूप से सजाया गया था। यहां सनातन सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में श्रद्धालुओं के लिए जलपान की विशेष व्यवस्था की गई। ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने शीतल जल, शरबत और प्रसाद वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया। देर रात तक चलने वाले इस आयोजन में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही। इस सेवा कार्य में नवनीत तिवारी, श्याम जी केशरी, सूर्यप्रकाश यादव, अर्पित यादव, अंकुर मिश्रा, राजेश यादव, सत्येंद्र चौधरी, आनंद कुमार यादव, पुनीत मिश्रा, आकाश केसरी, सत्येंद्र कुमार मिश्रा, राजवीर केसरी, सर्वेश कुमार तिवारी, अमरीश कुमार पांडे, सौरभ पांडे सहित समस्त आमिलहवा चौराहा के सहयोगियों व भक्तगणों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सभी ने मिलकर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा।

कार्यकर्ताओं ने बताया कि महाशिवरात्रि जैसे पावन पर्व पर सेवा करना ही सच्ची भक्ति है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में इसी प्रकार जनसेवा का कार्य जारी रहेगा। आयोजन के दौरान प्रशासन की भी मुस्तैदी रही, जिससे शिव बारात शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। महाशिवरात्रि का यह आयोजन सिरसा में सामाजिक एकता, धार्मिक आस्था और सेवा भावना की प्रेरणादायक मिसाल बन गया। श्रद्धालुओं ने ट्रस्ट के इस प्रयास की सराहना करते हुए सभी सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित

शिव सेवा समिति के तत्वाधान में नगर पंचायत सिरसा में निकली भव्य शिव बारात

मेजा, प्रयागराज। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को नगर पंचायत सिरसा में शिव सेवा समिति के तत्वाधान में भव्य शिव बारात निकाली गई। भगवान शिव की आकर्षक झांकियों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और ÷हर-हर महादेव÷ के जयघोष से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा। शिव बारात निकलने से पूर्व समिति के अध्यक्ष रामकृष्ण जायसवाल ने भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके उपरांत शिव बारात का शुभारंभ श्रीनाथ बाबा मंदिर से किया गया। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए समूचे बाजार का भ्रमण करती रही, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। बारात में महिला-पुरुषों के साथ युवा भक्तों की भी भारी भागीदारी रही। भक्ति संगीत और डीजे की धुन पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शिव बारात का भव्य स्वागत किया गया। आयोजन को लेकर नगर में दिनभर उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

महाशिवरात्रि पर पकरी सेवार के गंगा घाट पर श्रद्धालुओं की लगी भीड़

मेजा प्रयागराज। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर पकरी सेवार के कोटेश्वर नाथ धाम व स्वामी पागलनंद आश्रम पर

श्रद्धालुओं की काफी भीड़ लगी रही। लोग उत्तर वाहिनी मां गंगा में स्नान कर कोटेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कोटेश्वर नाथ महादेव मंदिर काफी प्राचीन मंदिर बताया जाता है। जहां लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। गंगा घाट पर स्नान के लिए बहुत ही उत्तम व्यवस्था है। दूर-दूर से लोग यहां गंगा में स्नान कर कोटेश्वर नाथ महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए पहुंचते हैं। पूरे देश में महाशिवरात्रि का हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।महाशिवरात्रि एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है, जो भगवान शिव की महान रात के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को आता है, जो इस साल 15 फरवरी 2026 को है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था, और यह रात भगवान शिव की पूजा और जागरण के लिए विशेष मानी जाती है।